दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा
RNI NO. RAJHIN/2010/35060 Since : 2004 कदम बढ़ाएं, सच के साथ
वर्ष : 15 | अंक : 295 | पृष्ठ : 10 | मूल्य : ₹ 2.00 जयपुर, शुक्रवार, 29 अगस्त 2025, भाद्रपद, शुक्ल पक्ष षष्ठी संवत् - 2082 भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

नगर भ्रमण पर निकले प्रथम पूज्य गणपति, शोभायात्रा को मुख्यमंत्री ने किया रवाना

बढ़ता राजस्थान

जयपुर | गणेश चतुर्थी के दूसरे दिन गुरुवार को मोती डूंगरी गणेश मंदिर से गढ़ गणेश तक निकाली जाने वाली पारंपरिक शोभायात्रा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर प्रथम पूज्य गणपति नगर भ्रमण पर निकले। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने चित्र स्वरूप भगवान गणेश की विधिवत रूप से पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इससे पहले शर्मा ने मोती डूंगरी गणेश मंदिर में दर्शन भी किए। शर्मा का मंदिर में महंत कैलाश शर्मा ने स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं से आत्मीयता के साथ मुलाकात की और उनका अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर सांसद मंजु शर्मा सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित थे। शोभायात्रा की खासियत यह रही कि इसमें राफेल के जरिए ऑपरेशन सिंदूर, एस-400 मिसाइल, राम मंदिर में गणेशजी का तांडव नृत्य, रामलला के दर्शन, राम-रावण युद्ध, महाभारत का लेखन, शिव-पार्वती के प्रसंग, माता वैष्णो देवी दरबार की झांकी बनाई गई। इस शोभायात्रा के साथ मोती डूंगरी मंदिर के 9 दिन के गणेश जन्मोत्सव का समापन हुआ।

एसआई भर्ती परीक्षा 2021 रद्द

हाई कोर्ट ने पेपर लीक और नकल को बनाया फैसले का आधार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर | राजस्थान हाई कोर्ट ने गुरुवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए वर्ष 2021 की सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया। यह निर्णय जस्टिस समीर जैन की एकल पीठ ने सुनाया। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि इस भर्ती प्रक्रिया में भारी पैमाने पर नकल हुई और यह पूरे राज्य में फैल चुकी थी। सबसे गंभीर बात यह रही कि इस पेपर लीक में खुद राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्य भी शामिल थे। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से टिप्पणी की कि "घर का भेदी ही लंका ढहा गया।'

आरपीएससी की देखरेख में 859 पदों के लिए हुई इस परीक्षा में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा सामने आया था। जांच एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार कई ट्रेनी एसआई, डमी कैंडिडेट्स और आरपीएससी के सदस्य इस साजिश में शामिल पाए गए। कोर्ट ने आदेश दिए कि अब इस भर्ती के पदों को 2025 में होने वाली नई एसआई भर्ती में जोड़ा जाए और 2021 में शामिल सभी अभ्यर्थियों को उसमें भाग लेने की अनुमति दी जाए। कोर्ट ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया इतनी दूषित हो चुकी है कि इसमें सही और गलत की छंटनी करना असंभव है। हालांकि न्यायालय ने उन अभ्यर्थियों के प्रति

सहानुभूति जताई, जिन्होंने ईमानदारी से परीक्षा दी थी, लेकिन कोर्ट ने कहा कि अगर एक भी व्यक्ति पेपर लीक के जरिए थानेदार बनता है तो यह न्याय व्यवस्था के लिए घातक होगा। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता हरेंद्र नील ने बताया कि कोर्ट ने आरपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष और 5 अन्य सदस्यों की भूमिका पर भी टिप्पणी की। खासतौर पर बाबूलाल कटारा का नाम लेते हुए कोर्ट ने कहा कि उन्होंने अंदर से पूरे सिस्टम को नष्ट किया। कोर्ट ने इस मामले को सार्वजनिक हित में मानते हुए इसे चीफ जस्टिस को रेफर किया ताकि प्रशासनिक स्तर पर भी कार्रवाई हो सके। अतिरिक्त महाधिवक्ता विज्ञान शाह ने कहा कि कोर्ट ने भर्ती को रद्द किया। इस भर्ती में आरपीएससी के तत्कालीन अध्यक्ष और मेंबर्स की भूमिका पर टिप्पणियां की। इसी मामले को लेकर खंड पीठ ने आरपीएससी की कार्यप्रणाली को लेकर जनहित याचिका मानकर संज्ञान लिया। सरकार की कमेटी की तरफ से भी रिकमेंडेशन दी हुई थी। एजी की पहले की राय को आधार मानकर भर्ती रद्द की गई।

सरकार और चयनित अभ्यर्थियों की दलीलें

राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि केवल 68 अभ्यर्थियों की मिलीभगत सामने आई, जिनमें से 54 ट्रेनी एसआई, 6 चयनित कैंडिडेट और 8 फरार हैं। सरकार का कहना था कि सभी दोषियों को पकड़ने की प्रक्रिया जारी है और सही अभ्यर्थियों की पहचान संभव है। वहीं चयनित अभ्यर्थियों की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद ने तर्क दिया कि 500 से अधिक अभ्यर्थियों का भविष्य अधर में लटक जाएगा। कई उम्मीदवारों ने अन्य नौकरियों से इस्तीफा देकर एसआई की ट्रेनिंग ली थी। बावजूद इसके, कोर्ट ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद भर्ती को रद्द करने का निर्णय किया। बता दें कि एसआईटी जांच में सामने आया कि अवैध शराब और नशे का धंधा करने वाले माफिया पेपर लीक गिरोह में शामिल हो गए थे, क्योंकि इसमें उन्हें ज्यादा पैसा नजर आ रहा था। एडीजी वी.के.सिंह ने बताया कि जनवरी 2024 में शुरू हुई जांच में अब तक 122 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें 55 ट्रेनी एसआई शामिल हैं। इस घोटाले की शुरुआत आरपीए में ट्रेनिंग कर रहे डालूराम मीणा से हुई थी, जिसने डमी कैंडिडेट को बैठाकर परीक्षा पास की थी। इसके बाद कई गिरफ्तारियां हुईं, और धीरे-धीरे यह गिरोह पूरी तरह बेनकाब हो गया।

किसने क्या कहा

भर्ती रद्द होने के बाद राजस्थान की राजनीति में भी उबाल आ गया। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि यह निर्णय सत्य की जीत है और उनके अनुसार 50 प्रतिशत से अधिक चयनित अभ्यर्थी फर्जी थे। उन्होंने सरकार की जांच पर भी सवाल उठाए और कहा कि केवल 58 फर्जी अभ्यर्थी पकड़ना नाकाफी था। वहीं आरएलपी सांसद हनुमान बेनीवाल ने फैसले पर खुशी जाहिर करते हुए समर्थकों के साथ नृत्य किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और कुछ अधिकारी नहीं चाहते थे कि भर्ती रद्द हो। बेनीवाल ने कहा कि अगर फैसला विपरीत आता तो वह दिल्ली कूच करते। कांग्रेस नेताओं ने भी कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा पर आरोप लगाया कि सरकार निर्णय नहीं ले सकी और दिल्ली से इशारे का इंतजार करती रही। उन्होंने पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान रीट लेवल-2 की भर्ती रद्द कर दोबारा परीक्षा करवाने की मिसाल दी।

आरपीएससी की सितंबर-अक्टूबर में पांच परीक्षाएं, दो हजार से अधिक पदों पर भर्ती

बढ़ता राजस्थान

अजमेर | राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) सितंबर और अक्टूबर में 5 बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन करने जा रहा है। इन परीक्षाओं के माध्यम से आयोग कुल 2000 से अधिक पदों पर भर्तियां करेगा। साथ ही आयोग ने विभिन्न पूर्व आयोजित परीक्षाओं के साक्षात्कार कार्यक्रमों की भी घोषणा की है।

सितंबर महीने में आयोग 3 प्रमुख परीक्षाएं आयोजित करेगा। सात से 12 सितंबर तक वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) प्रतियोगी परीक्षा 2024 का आयोजन किया जाएगा। यह परीक्षा कुल 2129 पदों के लिए होगी। सात सितंबर को सामान्य ज्ञान (ग्रुप-बी) और सामाजिक विज्ञान, 8 सितंबर को सामान्य ज्ञान (ग्रुप-बी) और हिंदी, 9 सितंबर को सामान्य ज्ञान (ग्रुप-सी) और विज्ञान, 10 सितंबर को संस्कृत और उर्दू, 11 सितंबर को सामान्य ज्ञान (ग्रुप-डी) और गणित विषय की परीक्षा होगी। इसके बाद 13 सितंबर को प्रोटेक्शन ऑफिसर 2024 की परीक्षा होगी।

घटिया सामग्री और बिना कारण देरी करने वाले ठेकेदारों से होगी वसूली

मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक निर्माण विभाग की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

बढ़ता राजस्थान

जयपुर | मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने गुरुवार को सड़क, बाइपास, आरओबी और आरयूबी जैसी जनउपयोगी आधारभूत संरचनाओं के निर्माण में गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग पाए जाने और अकारण देरी करने पर कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उससे वसूली की जाए। साथ ही अनियमितता पर संबंधित अधिकारी की जिम्मेदारी तय कर उसके विरुद्ध भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री शर्मा मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में सार्वजनिक निर्माण विभाग की वित्तीय वर्ष 2025-26 की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने विभागीय परियोजनाओं एवं कार्यों की अद्यतन प्रगति की विस्तृत समीक्षा करते हुए उन्हें समयबद्ध रूप से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के कारण क्षतिग्रस्त सड़कों का ड्रोन सर्वे कराकर 20 अक्टूबर से पहले मरम्मत कार्य पूरा करें।

कार्यों की लागत का हो सही आकलन

शर्मा ने कहा कि अधिकारियों एवं अभियंताओं की लापरवाही के कारण परियोजनाओं की लागत में वृद्धि होना गंभीर विषय है। इससे बजट पर विपरीत प्रभाव होता है। उन्होंने ऐसे प्रकरणों पर चिंता जाहिर करते हुए विभागीय अधिकारियों को परियोजनाओं की उचित लागत का आकलन करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही मुख्यमंत्री ने विभागीय कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के क्रम में लंबे समय से पदस्थापित अधिकारियों एवं अभियंताओं को अन्य जिम्मेदारी देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

नगर पालिका का कनिष्ठ सहायकां पांच हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर | भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सीकर की लक्ष्मणगढ़ नगर पालिका के कनिष्ठ सहायक दिव्य प्रकाश चौमाल को 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते गुरुवार को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। ब्यूरो की महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि परिवादी ने इस मामले में एसीबी की झुंझुनू चौकी में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार लक्ष्मणगढ़ में गणेश मंदिर के पास मनोहर जलाशय को भूमाफिया की ओर से फर्जी पट्टे बनाकर निर्माण कार्य कर दुकानें बनाई जा रही हैं। परिवादी की ओर से इस मामले में नगर पालिका से प्याऊ की जगह पर निर्माण स्वीकृति के संबंध में संपूर्ण प्रमाणित प्रति मांगी गई थी, जिस पर नगर पालिका के आरोपी कनिष्ठ सहायक दिव्य प्रकाश ने सूचना के अधिकार के तहत सूचना उपलब्ध कराने के एवज में 5 हजार रुपये की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा था।

गणेश चतुर्थी महोत्सव धूमधाम से संपन्न, शोभायात्रा व गंगा आरती रही आकर्षण

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल) | उपखंड क्षेत्र में गणेश चतुर्थी महोत्सव बड़े धूमधाम और धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। विघ्नहर्ता गणेश के जन्मोत्सव पर सुबह से ही गणेश मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। भक्त कतारबद्ध होकर गणपति बप्पा के दर्शन करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और संतान सुख की कामना करते नजर आए।

कस्बे के प्राचीन गणेश मंदिर में विनायक कमेटी के तत्वावधान में दो दिवसीय महोत्सव का शुभारंभ मंगलवार को हुआ। परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ मेहंदी रस्म का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं और युवतियों ने मंगल गीत गाते हुए मेहंदी रचाई।

मंगलवार शाम को रामलीला मैदान से भगवान गणेश की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। सजे-धजे रथ पर विराजमान गणेश प्रतिमा नगरवासियों के आकर्षण का केंद्र रही। शोभायात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्पवृष्टि कर गणपति का स्वागत किया। बुधवार शाम दिल्ली से आमंत्रित कलाकारों ने गंगा आरती थीम पर आधारित महाआरती प्रस्तुत की। भक्ति संगीत और अद्भुत छटा ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। पूर्व प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी ने कहा कि गंगा आरती का दृश्य आत्मा तक को छू गया। महिलाओं ने बताया कि गणेशजी के दरबार में लड्डू का भोग और आकर्षक झांकी ने बच्चों व बड़ों को खूब आनंदित किया।

युवा कार्यकर्ता एवं अग्रवाल महासभा उपाध्यक्ष पंकज गुप्ता और अजय गोयल ने बताया कि विनायक कमेटी ने पूरे उत्सव को सफल बनाने में दिन-रात मेहनत की। इस दौरान अजय गोयल, मनीष सैन, चेतन शर्मा, निहिल (लक्की) मंगल, विपिन गंगावत, आशीष शर्मा, बिहारी सोनी, महावीर यादव, राहुल गोयल, महेंद्र यादव, लाला पटेल, अंशुल अग्रवाल, रोहिताश्व गढ़वाल, लोकेश टांक सहित बड़ी सं या में ग्रामीण मौजूद रहे।

राठी वाला मंदिर में 30 को जागरण, 31 अगस्त को विशाल भण्डारा

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल) | स्थानीय कस्बे के राठी वाला मंदिर में 30 अगस्त की रात्रि जागरण और 31 अगस्त को श्री सती माता एवं श्री टीलाजी महाराज के विशाल भण्डारे का आयोजन राठी परिवारों की ओर से बड़े धूमधाम के साथ किया जाएगा। यह आयोजन क्षेत्रवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक अवसर होगा।

भण्डारे से पूर्व कार्यक्रम में राधेश्याम महासी एंड पार्टी द्वारा नेहड़ों की भक्ति प्रस्तुति दी जाएगी, जो श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। महंत राधामोहन दासजी ने बताया कि राठी वाला मंदिर क्षेत्र की आस्था और भक्ति का प्रतीक है, जहां बड़ी सं या में श्रद्धालु भाग लेंगे।

श्री सती माता एवं श्री टीलाजी महाराज की पूजा-अर्चना के उपलक्ष्य में होने वाला यह आयोजन क्षेत्र के लिए पवित्र और पूजनीय अवसर है।

महंत राधामोहन दासजी ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर धार्मिक अनुष्ठान का लाभ लेने की अपील की है।

राइजिंग राजस्थान | जिला कलक्टर ने निवेशकों के साथ की बैठक

एमओयू को धरातल पर उतारने को प्रशासन प्रतिबद्ध, निवेशकों को हर संभव सहयोग मिलेगा : लोकबंधु

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास) | 28 अगस्त को जिला कलक्टर लोकबंधु ने गुरुवार को एनआईसी सभागार में निवेशकों के साथ बैठक कर राइजिंग राजस्थान के तहत हुए एमओयू को धरातल पर उतारने पर चर्चा की । इस अवसर पर उन्होंने निवेशकों से एक-एक कर संवाद स्थापित किया और परियोजनाओं में आ रही चुनौतियों पर चर्चा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को समयबद्ध समाधान के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने कहा कि प्रशासन पारदर्शिता और जवाबदेही की भावना से कार्य कर रहा है और निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि निवेश परियोजनाओं से अजमेर का औद्योगिक एवं पर्यटन परिदृश्य मजबूत होगा और यह शहर प्रदेश एवं देश के मानचित्र पर और अधिक सशक्त पहचान बना सकेगा। बैठक के दौरान निवेशकों ने अपनी इकाइयों से जुड़े लंबित प्रकरणों एवं विभागीय स्वीकृतियों से संबंधित मुद्दों को साझा किया। इस पर श्री लोकबंधु ने मौके पर ही अधिकारियों को निस्तारण के निर्देश देते हुए विभागवार टास्क क्रिएट करने, आवश्यक अनुमतियां एवं सुविधाएं उपलब्ध

कराने तथा निवेशकों को राज्य सरकार की ओर से दी जा रही छूट एवं सब्सिडी की जानकारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। लोकबंधु ने पेयजल, विद्युत एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता को प्राथमिकता से सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि विभागीय समन्वय के साथ हर समस्या का त्वरित समाधान किया जाए । उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि आगामी समय में अधिक से अधिक परियोजनाओं की ग्राउंड ब्रेकिंग सुनिश्चित की जाएगी । इससे एमओयू धरातल पर वास्तविक रूप ले सकेंगे। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर ज्योति ककवानी, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक श्री धर्मेंद्र शर्मा सहित अन्य अधिकारी एवं निवेशक उपस्थित रहे।

सोहन सुवालका को राष्ट्रीय कल्चुरी गौरव सम्मान, बने कलाल समाज के सुपर हीरो

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.) | दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय कलवार, कलाल एवं कलार राष्ट्रीय स मान समारोह में उदयपुर के अंतरराष्ट्रीय फिल्म और रंगमंच कलाकार सोहन सुवालका को राष्ट्रीय कल्चुरी गौरव स मान से स मानित किया गया।

समारोह में सुवालका ने शोले फिल्म के गब्बर सिंह के रूप में मोनोएक्टिंग प्रस्तुत कर उपस्थित लगभग 1000 कलाल बंधुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस दौरान उन्होंने देशभर के करीब 12 करोड़ सजातीय बंधुओं—जिनमें जायसवाल, अहलूवालिया, वालिया, बयाहुत, चौकसे, नाडार, गौड़, सुवालका, मेवाड़ा, टांक, पूर्बिया, वैगड़ा आदि शामिल हैं—को आगामी जनगणना में कलचुरी नाम से एकजुट होने का

आह्वान किया।

सुवालका ने मंच से समाज के सभी लोगों को अपने नाम के आगे कलाल लिखने का संदेश देते हुए कहा कि एकजुटता से समाज को राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक लाभ मिल सकेगा। उनके इस आह्वान पर उन्हें कार्यक्रम में कलचुरी समाज का सुपर हीरो कहकर संबोधित किया गया। समारोह के मु य अतिथि, उत्तर प्रदेश सरकार में राजस्व मंत्री और बनारस के विधायक रविन्द्र जायसवाल ने सोहन सुवालका को माला, उपरणा, शॉल और साफा पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। महासचिव किशोर भगत ने बताया कि मंत्री जायसवाल ने सुवालका के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि कलाल समाज बेहद ताकतवर है, लेकिन बिखरा हुआ है। इसलिए एकता ही समाज की सबसे बड़ी शक्ति है।

वित्तीय समावेशन योजनाओं के संबंधित अभियान के शिविर होंगे आयोजित

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास) | जिले में वित्तीय समावेशन से संबंधित योजनाओं से संबंधित अभियान आगामी 30 सित बर तक संचालित होंगे। इसमें ग्राम पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर जन-धन खातों, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना से लाभांवित किया जाएगा। अग्रणी जिला प्रबंधक श्री संजय कुमार सिंह ने बताया कि शिविरों में प्रधानमंत्री जन-धन योजना के पुराने खातों की केवाईसी करने के साथ ही नए जन-धन खाते हाल ही में व्यस्क हुए व्यक्तियों के खोले जाएंगे। शुक्रवार, 29 अगस्त को सरवाड़ की जडाणा में शिविर आयोजित होंगे। इसी प्रकार सोमवार, एक सित बर को अजमेर ग्रामीण की देवनगर, किशनगढ़ की काढ़ा, पीसांगन की करनोस, सावर की गुलगांव में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

डिंपल ने रचा इतिहास, आईसीएसआई परीक्षा में हासिल की दूसरी रैंक

बढ़ता राजस्थान . पावटा (सुशील कुमार बंसल) | स्थानीय कस्बे की होनहार छात्रा डिंपल पुत्री गोपाल शर्मा (पटेल) ने इंस्टीट्यूट

ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया (आईसीएसआई) की परीक्षा में देशभर में दूसरी रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। डि पल की इस उपलब्धि से परिवार और समाज में हर्ष का माहौल है। गौरतलब है कि डि पल के भाई हेमेन्द्र पटेल चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं, जबकि बहन पूनम सीए फाइनल की तैयारी कर रही हैं। यह उपलब्धि उनके परिवार की शैक्षिक उत्कृष्टता की निरंतर परंपरा को दर्शाती है। डिंपल की सफलता पर तहसील ब्राह्मण महासभा अध्यक्ष राजेश शर्मा, उपाध्यक्ष सुरेश शर्मा (बजरंगपुरा), महामंत्री गजानंद टीलावत, विष्णु पटेल शर्मा, धीरज वशिष्ठ, दिनेश शर्मा, कुलदीप पटेल, विकास शर्मा, जितेंद्र सहित अनेक समाजजनों ने उन्हें बधाई दी। समाज के लोगों ने कहा कि डि पल की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे समाज के लिए गर्व का विषय है।

200 निराश्रितों को कराया भोजन

बढ़ता राजस्थान . उदयपुर (नि.स.) | अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा की जिला इकाई ने सामाजिक सरोकार की मिसाल पेश करते हुए आज उदियापोल स्थित अन्नपूर्णा रसोई योजना केंद्र पर 200 निर्धन एवं निराश्रित लोगों को भोजन कराया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सतीश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल, संरक्षक सत्यनारायण अग्रवाल, खेमचंद अग्रवाल, प्रेम अग्रवाल, राकेश अग्रवाल और हिमकुमार ऐरन सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष पुष्पलता तायल, महामंत्री रेखा अग्रवाल, अनामिका अग्रवाल एवं प्रविंद्र गुप्ता ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। कार्यक्रम के अंत में राकेश अग्रवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता कल से

बढ़ता राजस्थान . साहवा (कृष्ण कुमार) | 69वीं जिला स्तरीय 17 व 19 वर्षीय छात्रा वर्ग खो-खो प्रतियोगिता का आगाज शनिवार 30 अगस्त से सरस्वती बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय में होगा। प्रतियोगिता 3 सितंबर तक चलेगी। स्कूल प्रबंध कमेटी सदस्य सुरेन्द्र श्योराण, जितेंद्र शर्मा, मुबारक हुसैन व राजेंद्र लिखाला ने बताया कि उद्घाटन समारोह में पैरालिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट देवेंद्र झाझड़िया अध्यक्षता करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ होंगे।

5 दिन से लापता वृद्ध का शव खुले गटर में मिला, इलाके में सनसनी

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता) | जाट की सराय निवासी 67 वर्षीय सलीम फकीर, जो 5 दिन से लापता थे, का शव गुरुवार सुबह बिजली निगम कार्यालय के पास स्थित सुलभ कॉ प्लेक्स के खुले गटर में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव बरामद होने की सूचना पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और नगर परिषद के सफाईकर्मियों की मदद से शव को बाहर निकाला गया।

कोतवाली थाने के सब इंस्पेक्टर हीरा सिंह ने बताया कि मृतक सलीम फकीर 22 अगस्त को मनीराम पार्क से घर लौटते समय लापता हो गए थे। अगले दिन उनके पुत्र इरफान ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी। गुरुवार को राहगीरों ने गटर में शव पड़े होने की सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर राजकीय जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। शव बुरी तरह सड़-गल चुका था और उस पर कीड़े पड़ चुके थे। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सुपुर्द किया गया।

मृतक के दो पुत्र हैं - 35 वर्षीय इरफान और 32 वर्षीय आरिफ, जो मजदूरी करते हैं। इरफान ने बताया कि 22 अगस्त को उनके पिता बकरियों के लिए हरा चारा लेने घर से निकले थे। संभावना है कि सुलभ कॉ प्लेक्स के पास हरि डालिया काटते समय वे खुले गटर में गिर गए, जिससे उनकी मौत हो गई।

दुब्बे पाड़ा में जमीन धसने से दहशत, कॉलोनीवासियों ने किया प्रदर्शन

बढ़ता राजस्थान . हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता) | दुब्बे पाड़ा वार्ड नंबर 46 और 47 में मंगलवार रात लगभग 10 बजे पुरानी हवेली के पास आम रास्ते की जमीन अचानक धस गई। जोरदार धमाके जैसी आवाज से दोनों कॉलोनियों के लोगों में दहशत फैल गई। स्थानीय निवासी एवं पूर्व पार्षद ब्रह्मा बागरेनिया, मनमोहन उपाध्याय, ईश्वर प्रसाद, अजय शर्मा आदि ने नगर परिषद के खिलाफ प्रदर्शन कर आक्रोश जताया। उनका कहना है कि पुरानी हवेली की गटर की जमीन धसने से रास्ता पूरी तरह खराब हो गया है। इससे लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है। कॉलोनीवासियों ने बताया कि इन दिनों गणेशोत्सव के धार्मिक आयोजन चल रहे हैं, जिसमें रात्री के समय महिलाओं और पुरुषों की आवाजाही बनी रहती है।

नाहरपुरा : आंगनबाड़ी केंद्रों पर घटिया और कीड़े लगे पोषाहार का वितरण

बढ़ता राजस्थान

नाहरपुरा/बांसवाड़ा (स्वराज डोडियार) | बाल विकास विभाग द्वारा संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों पर गुरुवार को हेल्थ डे के अवसर पर धात्री एवं गर्भवती महिलाओं को घटिया और कीड़े लगे पोषाहार का वितरण किया गया।

ग्राम धनिया धक्ष अध्यक्ष प्रवीण मालवीय ने बताया कि पचोर आंगनबाड़ी केंद्र पर ही नहीं, बल्कि आनंदपुरी क्षेत्र की कई ग्रामीण आंगनबाड़ी केंद्रों पर भी इसी प्रकार का खराब पोषाहार बांटा जा रहा है। उन्होंने गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यदि ऐसे पोषाहार के सेवन से किसी गर्भवती महिला या धात्री को कोई अनहोनी हो जाती है तो इसकी जि मेदारी कौन लेगा। इस मामले में जब महिला पर्यवेक्षक से जानकारी मांगी गई तो उन्होंने जवाब दिया कि आप जो करना है कर लो, यह मेरे बस की बात नहीं है। इस पर ग्राम धक्ष अध्यक्ष प्रवीण मालवीय और

महिला पर्यवेक्षक के बीच जोरदार बहस हो गई। बाद में मामला शांत कर आगे की कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया। प्रवीण मालवीय ने इसे एक गैर जि मेदाराना कार्य बताते हुए कहा कि पोषण वितरण करने वाली कंपनी का ठेकेदार घटिया और पुराना पोषाहार बांट रहा है। इसके खिलाफ स त कार्रवाई की मांग को लेकर जिला स्तर पर ज्ञापन सौंपा जाएगा।

पीएफसी एज्यूकेशन ने रचा नया इतिहास, 36 घंटे की नॉन-स्टॉप क्लास से बनाया विश्व रिकॉर्ड

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.) | राजस्थान का पहला एसीसीए गोल्ड लर्निंग पार्टनर और शहर का प्रतिष्ठित अकाउंटिंग संस्थान पीएफसी एज्यूकेशन ने एक बार फिर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। संस्थान ने लगातार 36 घंटे की नॉन-स्टॉप क्लास लेकर अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। इससे पहले पीएफसी ने 24 घंटे की क्लास का रिकॉर्ड बनाया था।

संस्थान की डायरेक्टर मीनाक्षी भेरवानी ने इसे पूरे पीएफसी परिवार के लिए गर्व का क्षण बताया। उन्होंने कहा, यह केवल एक रिकॉर्ड नहीं बल्कि शिक्षा के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारे विद्यार्थियों की लगन और टीम की मेहनत ने इस असंभव को संभव बनाया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में मीनाक्षी भेरवानी के साथ अनुभवी ट्यूटर गुंजन वधवानी और हुसैन अली बोहरा ने भी लगातार क्लास लेकर छात्रों को

मार्गदर्शन दिया। संस्थान की पूरी टीम इस विश्व रिकॉर्ड की सहभागी और गवाह बनी। भेरवानी ने बताया कि इस तरह की मैराथन क्लासेज का उद्देश्य विद्यार्थियों को मु य परीक्षा से पहले पूरा सिलेबस एक बार में रिवाइज करवाना है। पिछले क्वार्टर में आयोजित 30 घंटे की मैराथन क्लास के बाद छात्रों ने शानदार परिणाम दिए थे। इसी से प्रेरणा लेकर अब हर क्वार्टर में ऐसी क्लासेज आयोजित की जाएंगी। पीएफसी एज्यूकेशन ने लगातार नई ऊँचाइयाँ छूते हुए यह साबित कर दिया है कि वह न केवल उदयपुर बल्कि पूरे राजस्थान में गुणवत्तापूर्ण अकाउंटिंग शिक्षा का सबसे विश्वसनीय नाम बन चुका है।

पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खाजूवाला में पौधारोपण

विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

बढ़ता राजस्थान

खाजूवाला (दलीप नोखवाल) | पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय खाजूवाला में गुरुवार को पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी सं या में विद्यार्थियों व विद्यालय स्टाफ ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

कार्यक्रम में विभाग संघ चालक टेक चंद गरिमामयी उपस्थिति रही। वहीं इस अवसर पर विभाग कार्यवाह प्रमोद कुमार भी उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण का संरक्षण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। पेड़-पौधे धरती का श्रृंगार हैं और इनके बिना जीवन की कल्पना अधूरी है। विद्यालय परिसर में नीम, पीपल, अशोक व छायादार पौधों सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति संरक्षण और हरियाली के महत्व को समझाना तथा उन्हें पर्यावरण के प्रति जि मेदारी का बोध कराना रहा। विद्यालय के शिक्षकों व कर्मचारियों ने भी पूरे उत्साह के साथ इस अभियान में योगदान दिया। सभी ने पौधों की नियमित देखभाल करने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों ने अपने हाथों से पौधे लगाकर विद्यालय को हरा-भरा बनाने और भविष्य में पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का वचन दिया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ मौजूद रहा।

गणेश चतुर्थी पर सेवा कार्य भक्तों को बांटे शरबत, बिस्कुट और चॉकलेट

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। गणेश चतुर्थी जन्मोत्सव पर वर्षों से चली आ रही सेवा परंपरा को इस बार भी बरकरार रखा गया। चिकित्सा विभाग ठेका कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर, समाजसेवी पंकज उपाध्याय, शिव शक्ति श्याम मंडल अध्यक्ष हेमंत कुमार जांगिड़, पुष्पेंद्र सोनी, सुनील सोनी, अमित सोनी, लक्ष्मण महावर, दुर्गेश महावर, कमलेश अग्रवाल, प्रेम सोनी, हेमराज महावर, रामचरण जी, जय सोनी और अनिल सोनी सहित अन्य समाजसेवियों ने सेवा में भाग लिया। दो दिवसीय इस उत्सव में भक्तों को मिरिंडा, गुलाबजल, बिस्कुट, चॉकलेट और कई तरह के शरबत वितरित किए गए। आयोजकों ने बताया कि यह परंपरा हर साल गणेश उत्सव पर जारी रहती है ताकि भक्तों की सेवा के साथ सामाजिक एकता का संदेश दिया जा सके।

पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। कस्बे के लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय,में राज्य सरकार, आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा एवं कार्यालय प्राचार्य, लाल बहादुर शास्त्री राजकीय महाविद्यालय, के निर्देशानुसार सेमिनार एवं अन्य जनजागरूकता निर्माण गतिविधियों के तहत अगस्त माह में वनस्पति शास्त्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता पर्यावरण संरक्षण विषय पर आयोजित की गई। पोस्टर प्रतियोगिता में जसवंत बृजेश प्रथम, सोहन कुमार एवं दीपाली जोशी संयुक्त रूप से द्वितीय एवं सरिता रावत एवं आशिका संयुक्त रूप से तृतीय स्थान पर रही। निबंध प्रतियोगिता स्वच्छता ही सेवा है विषय पर आयोजित की गई। निबंध प्रतियोगिता में विनीता शर्मा प्रथम, अनीश द्वितीय एवं अंकित खडिया तृतीय स्थान पर रहे।प्राचार्य प्रोफेसर राजेंद्र कुमार सिंह ने सभी विजेताओं को बधाई दी एवं प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। दोनों प्रतियोगिताओं में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रोफेसर शोभा जौहरी, सभी एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर सज्जन सिंह यादव, प्रोफेसर शुभलता यादव, प्रोफेसर संदीप कुमार आर्य एवं प्रोफेसर जितेंद्र कुमार यादव, संकाय सदस्य प्रोफेसर रविंद्र कुमार यादव, अविनाश शर्मा, आनंद सिंह शेखावत, सुनिल कुमार वर्मा मौजूद रहे।

जेल में फिर मिला मोबाइल और सिम

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। राजधानी जयपुर की सेंट्रल जेल में मोबाइल और सिम मिलने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है।

अब एक बार फिर जेल में मोबाइल और सिम मिलने से हडक़ंप मच गया। जेल में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान मोबाइल और सिम लावारिस हालत में मिले हैं। इस संबंध में जेल प्रशासन की ओर से लालकोठी थाने में मुकदमा दर्ज करवाया गया हैं। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है शुरू कर दी है और जेल में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। थानाधिकारी बन्नालाल ने जेल अधीक्षक की ओर से मामला दर्ज करवाया है कि 27 अगस्त को जेल प्रशासन की ओर से सघन तलाशी अभियान चलाया गया था। इस दौरान दो नंबर वार्ड के बैरक नंबर 2 में टॉयलेट के पास एक सिल्वर कलर का छोटा कीपैड मोबाइल और सिम मिली है। इस पर जेल कर्मचारियों ने उच्चाधिकारियों को पूरे मामले की जानकारी दीं। जेल अधीक्षक कार्यालय से जारी पत्र के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

संपर्क पोर्टल के प्रकरणों को गंभीरता से लेते हुए आमजन को तुरंत राहत पहुंचाएं : कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी ने संपर्क पोर्टल के प्रकरणों को गंभीरता से लें एवं गुणवत्ता के साथ निस्तारण करते हुए गुड गवर्नेंस के तहत आमजन को राहत पहुंचाएं. उन्होंने बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी राजस्व अधिकारी बजट घोषणाओं की क्रियान्विति को गति देने के लिए संबंधित विभागों से समन्वय करते हुए भूमि आवंटन, डीपीआर, टैंडर प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करते हुये विकास कार्यों को समय पर पूरा करें जिससे विकास कार्यों का लाभ आमजन को समयबद्ध मिल सके। उन्होंने यह बात गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय उपलब्धियों एवं विकास कार्यों के संबंध में आयोजित राजस्व अधिकारियों की बैठक के दौरान कही। जिला कलक्टर ने निर्देशित किया कि जिले में राजस्व अधिकारी अतिक्रमणों के प्रकरणों को प्राथमिकता से लेते हुए नियमानुसार कार्यवाही कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें. उन्होंने कहा कि राजकीय कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी. उन्होंने राजस्व से संबंधित सभी प्रकार के प्रकरणों का विहित समय में निस्तारण करें, ताकि आमजन को जल्द से जल्द राहत मिल सके। सभी उपखण्ड अधिकारी अपने दायित्वों का पालन करते हुए अपने क्षेत्र में संचालित समस्त गतिविधियों की नियमित मॉनिटरिंग करे। म्यूटेशन, रास्ते, विरासत के प्रकरणों की मॉनिटरिंग करें एवं सीमाज्ञान व पत्थरगढ़ी के मामलों में दोनों पक्षों को सुनकर ही संवेदनशीलता से कार्यवाही करें. लंबित प्रकरणों पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए स्थानीय स्तर पर ही निपटाएं, जिससे कि परिवादी को कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़े।

इन विषयों पर हुई चर्चा

बैठक के दौरान उन्होंने संपरिवर्तन प्रकरणों, भूमि अवाप्ति, गैर खातेदारी प्रकरण, 90 ए, आरओडब्लयू पोर्टल, लंबित नामांतरण, सीपी ग्राम पोर्टल, शहरी विकास, लॉ एंड ऑर्डर, अवैध खनन की प्रभावी मॉनिटरिंग, मासिक सारांश रिपोर्ट, राजस्व सहित न्यायालयों व अदालतों के लंबित प्रकरण, एल आर/पीडीआर एक्ट प्रकरण, जीएलएमएसी से संबंधित प्रकरण, जीसीएमएस पोर्टल, सहायता संबंधित बकाया प्रकरण, सडक़ सुरक्षा, गिरदावरी, अतिक्रमण, राजस्व वसूली के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए।
अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश सहारण ने गत बैठक में दिए गए निर्देशों की पालना के बारे में चर्चा करते हुए अन्य बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक समीक्षा कर सभी प्रकरणों को समयसीमा के भीतर नियमानुसार निस्तारित करने के लिए कहा।
बैठक के दौरान उपखंड अधिकारी कोटपूतली बृजेश चौधरी, नीमराना महेंद्र सिंह, विराटनगर अमिता मान, बानसूर अनुराग हरित, बहरोड़ रामकिशोर मीणा, पावटा एसडीएम कपिल कुमार एवं नारायणपुर दिनेश शर्मा सहित समस्त तहसीलदार उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में अस्पताल में पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे मशीन का शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) अस्पताल में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं को और सशक्त बनाने के उद्देश्य से रोग निदान एवं विकृति विज्ञान विभाग के रेडियोलॉजी यूनिट में आज एप्सिलॉन कंपनी की अत्याधुनिक पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे मशीन ईपी कोर्सा 4एसएम का शुभारंभ गुरुवार को संस्थान के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने किया। इस अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन की स्थापना से रोग निदान की गति एवं गुणवत्ता में वृद्धि होगी। यह मशीन पोर्टेबल है, इसलिए अस्पताल में भर्ती मरीजों ओर ऐसे मरीजों के लिए विशेष रूप से लाभकारी होगी जो चल-फिर नहीं सकते, जिससे समय पर जाँच और बेहतर उपचार संभव हो सकेगा। कुलपति प्रो. संजीव शर्मा ने कहा कि संस्थान में आने वाले रोगियों की जांच हेतु संस्थान में पहले से ही ब्लड लैब, &-ह्ड्डु4, सोनोग्राफी एवं ईसीजी की सुविधा है, इसके साथ ही अब इस नई पोर्टेबल डिजिटल एक्स-रे मशीन से न केवल मरीजों के लिए रोग निदान संबंधी सुविधाएं और भी बेहतर होंगी, बल्कि शैक्षणिक एवं रिसर्च प्रशिक्षण को भी सशक्त आधार मिलेगा। यह नई मशीन अत्याधुनिक तकनीक से युक्त है, जिसके माध्यम से रोगियों को त्वरित एवं सटीक जांच सुविधा उपलब्ध होगी। इससे आयुर्वेद एवं आधुनिक चिकित्सा पद्धति के समन्वित शोध और प्रशिक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। उद्घाटन समारोह एनआईए अस्पताल के ओपीडी ब्लॉक के कमरा संख्या 33, एक्स-रे कक्ष में आयोजित हुआ। इस अवसर पर संस्थान के शिक्षक, चिकित्सक, वरिष्ठ अधिकारी रोग निदान विभाग के समस्त चिकित्सक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर का फर्जी बीमा इंश्योरेंस करने वाला फाइनेंस कंपनी का कर्मचारी गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। रामगंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड में ट्रैक्टर का फर्जी बीमा इंश्योरेंस करने वाले फाइनेंस कंपनी के कर्मचारी को गिरफ्तार किया है।
पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करण शर्मा ने बताया कि रामगंज थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रिलायंस जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड में ट्रैक्टर का फर्जी बीमा इंश्योरेंस करने वाले सेठिका फाईनेंस कम्पनी के कर्मचारी बृज सुन्दर जोशी निवास बजाज नगर हाल सोडाला जयपुर को गिरफ्तार किया है। पूछताछ पर बृज सुन्दर से सामने आया कि वह वर्ष 2009 से सेठिया फाइनेंस कंपनी बृज अनुकम्पा टावर सी स्कीम जयपुर में काम करता हुआ आ रहा है तथा मार्केटिंग एक्झीकेटीव के पोस्ट पर काम करता है। उनकी यह कंपनी फाइनेंस का काम करती है। वह साइड में वाहनों का इंश्योरेंस भी करवाता रहता था। जिसमे उसे कुछ कमीशन मिल जाता था। वर्ष 2017 में उसके पास एक ब्रोकर ने रामेश्वर गुर्जर व इसके साथ एक दो आदमी ऑफिस पर लेकर आया तथा उसे एक ट्रैक्टर का इंश्योरेंस करवाने के लिये बोला। उसे ट्रैक्टर की आरसी ट्रैक्टर की फोटो तथा 9 हजार 500 रुपये दिये थे। इस पर उनको कहा की एक दो रोज में इंश्योरेंस करवा कर लाकर दे देगा। इसके बाद अलग अलग कंपनी के ब्रोकर से कमीशन के बेस पर वाहनों का इंश्योरेंस करता रहता था। आरोपित ने रामेश्वर गुर्जर के ट्रेक्टर का इन्श्योरेन्स रिलायंस इंश्योरेंस कम्पनी से करवाया था। वर्ष 2018 में रामेश्वर गुर्जर व उसके साथ कुछ लोग उसके ऑफिस मे आये तब उन्होने कहा की जो ट्रैक्टर का इंश्योरेंस करवाया था।

परिचित ने किया विवाहिता से दुष्कर्म

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। मुहाना थाना इलाके में परिचित ने विवाहिता से दुष्कर्म किया और बदनाम करने की धमकी देकर रुपए ऐंठने लगा। रोज -रोज की धमकी से परेशान होकर विवाहिता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है। मामले की जांच कर रहे एसीपी मानसरोवर आदित्य काकड़े ने बताया कि मुहाना इलाके में रहने वाली 32 वर्षीय विवाहिता का आरोप है।

नगर परिषद आयुक्त को सौंपा ज्ञापन, जल्द कार्रवाई न होने पर प्रदर्शन की चेतावनी

नागाजी की गौर क्षेत्र में नालों की गंदगी और बंद रोड लाइटों से लोग परेशान

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। नागाजी की गौर क्षेत्र (वार्ड 36) के लोगों ने क्षेत्र की गंभीर समस्याओं को लेकर नगर परिषद आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान मुख्य रूप से गंदे पानी के नालों की सफाई और महीनों से बंद पड़ी रोड लाइटों की समस्या उठाई गई।

नालों की गंदगी से बस्तियां बेहाल

ज्ञापन में बताया गया कि मेघवाल बस्ती और वाल्मीकि बस्ती में मुख्य नाले की सफाई न होने से जलभराव की स्थिति बनी हुई है। बरसात में गंदा पानी घरों में घुस रहा है और रास्तों पर इतना पानी जमा हो गया है कि बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है।
निवासियों का कहना है कि पानी की टंकी से भोमिया जी मंदिर होते हुए आईटीआई की ओर जाने वाले मुख्य नाले की पिछले दो साल से सफाई नहीं हुई है। नगर परिषद को कई बार सूचित करने के बावजूद समस्या जस की तस बनी हुई है। हालांकि आयुक्त ने ज्ञापन मिलने पर दो दिन में सफाई कराने का आश्वासन दिया है।

महीनों से बंद रोड लाइटें

रोशनी की समस्या भी गंभीर है। मेघवाल बस्ती, वाल्मीकि बस्ती, ढाणी नरबदिया, ढाणी कानूगा वाली, ढाणी पुराना कुआं, ढाणी श्यामिया वाली, ढाणी रंगावाली, नांगल पंडितपुरा रोड और शमशान भूमि रोड सहित कई जगहों पर रोड लाइटें महीनों से बंद हैं। वहीं बामनवास रोड पर महाराजा फर्नीचर के पास की लाइट फरवरी से खराब है। लोगों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार की लापरवाही और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण अंधेरे में रहना पड़ रहा है।

प्रदर्शन की चेतावनी

सामाजिक कार्यकर्ता प्रफुल्ल रमन मोदी के नेतृत्व में दिए गए इस ज्ञापन में साफ कहा गया है कि यदि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो लोग नगर परिषद में धरना प्रदर्शन करेंगे। इस मौके पर रामकुमार आर्य गुरुजी, हजारीलाल सैनी, अंकित चौधरी, युवराज आर्य, दिनेश आर्य, संदीप आर्य और अनूप आर्य सहित कई लोग मौजूद रहे।

नौकरी लगाने का झांसा देकर लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। संजय सर्किल थाना पुलिस ने डिफेंस रिसर्च एंड डवलमेंट ऑर्गेइजेशन (डीआरडीओ) में नौकरी लगाने का झांसा देकर लाखों रुपए की ठगी करने वाले शातिबर ठग को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस आरोपी ने से अन्य धोखाधड़ी की वारदातों को लेकर गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। आरोपी वारदात को अंजाम देकर एक साल से फरार चल रहा था।

जल-जंगल-जमीन के अधिकार पर हुआ विस्तृत विचार-विमर्श

आदिवासी समाज की समस्याओं पर हुआ मंथन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद राजस्थान की ओर से अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष सोमजीभाई डामोर एवं पूर्व मंत्री तथा संसदीय समिति के चेयरमैन फग्गन सिंह कुलस्ते रहे। अति विशिष्ट अतिथियों में सांवरमल झरवाल परिषद के राष्ट्रीय सलाहकार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शंकर लाल बाड़ौत, थानागाजी विधायक कांतिलाल मीणा, पूर्व विधायक एवं विधानसभा उपाध्यक्ष रामनारायण मीणा, भगवाना राम सैनी, आईपीएस अधिकारी प्रहलाद राय मीणा रहे। वहीं कार्यक्रम में रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी एवं समाजसेवक मनोज घुमरिया, मिल्लत ट्रस्ट के चेयरमैन हाफिज मंजूर अली खान, इन्द्राज मेघवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहे। समारोह की अध्यक्षता रिटायर्ड प्रिंसिपल डायरेक्टर जनरल एवं प्रदेश अध्यक्ष केसी घुमरिया ने की।नीमकाथाना में आयोजित समारोह में संस्था की वार्षिक पत्रिका 'आदिवासियों की आवाज' के तृतीय संस्करण का विमोचन किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। जिसमें मीणा समाज, सर्व समाज के वरिष्ठ कार्यकर्ता, प्रतिभावान छात्र-छात्राएं, वीरांगनाएं, चिंतक, लेखक, कवि, कलाकार आदि शामिल थे। समारोह में आदिवासी समाज की समस्याओं एवं समाधान पर चर्चा हुई। वहीं वन अधिकार कानून, पेशा एक्ट, जल-जंगल-जमीन के अधिकार पर भी विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष केसी घुमरिया ने समाज को ज्यादा से ज्यादा शिक्षित करने का आह्वान किया।

बिरसा मुंडा सम्मान से प्रतिभाएं सम्मानित : घुमरिया ने उनियारा देवली विधानसभा क्षेत्र के गांव समरावता कांड को संसदीय समिति के चेयरमैन फग्गन सिंह कुलस्ते के समक्ष रखा और संसदीय समिति की विजिट समरावता गांव में कराने की मांग रखी। जिस पर चेयरमैन कुलस्ते ने सकारात्मकता दिखाई और समरावता आने का आश्वासन दिया। समारोह में सैकड़ों प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को बिरसा मुंडा सम्मान से सुशोभित किया गया। कार्यक्रम की सोच, रूपरेखा व क्रियान्वयन प्रदेश अध्यक्ष केसी घुमरिया के नेतृत्व में हुआ। जिसमें पुरुष कार्यकारिणी और महिला कार्यकारिणी ने पूरा साथ दिया। समाजसेवी मनोज घुमरिया ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

pnb
मण्डल वसूली केन्द्र, कोटा : 9ए, इण्डस्ट्रीयल एरिया, कोटा (राज.)
E-Mail : cokotasamd@pnb.co.in, Mobile No. 8420000210

परिशिष्ट-IV [देखें नियम 8 (1)]

कब्जे की सूचना

यतः ''वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन एवं प्रतिभूति-हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002'' की धारा 13 के अधीन पंजाब नैशनल बैंक के प्राधिकृत अधिकारी ने मांग नोटिस दिनांक 13.03.2025 को जारी करते हुए ऋणी एवं बंधककर्ता : मेसर्स सरदार कॉन्ट्रैक्टर्स एंड सप्लायर्स, मालिक श्री सरदार पुत्र बुंदा खां, खाता संख्या-16455011000036, ब्रांच ऑफिस टोंक (164510) को बकाया राशि रुपये 5,49,281.84 (शब्दों में पाँच लाख उनचास हजार दो सौ इक्यासी और पैसे चौरासी मात्र) एवं आगे के ब्याज व खर्च अतिरिक्त के भुगतान, नोटिस प्राप्ति की दिनांक से 60 दिनों के भीतर, करने की मांग की थी।
ऋणी/बंधककर्ता द्वारा सम्पूर्ण राशि के भुगतान करने में असफल होने पर, ऋणी/बंधककर्ता एवं आमजन को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) व नियम 8 के अधीन, अधोहस्ताक्षरी ने आज दिनांक 26 माह अगस्त वर्ष 2025 को निम्नलिखित सम्पत्ति को अपने कब्जे में ले लिया है।
ऋणियों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के संदर्भ हेतु अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबन्धों की ओर आकृष्ट किया जाता है।
ऋणी/बंधककर्ता/गारंटर को विशेष रुप से एवं आमजन को सामान्यतया सावधान किया जाता है कि इस सम्पत्ति बाबत् कोई व्यवहार नहीं करें और किये गए व्यवहार पर पंजाब नैशनल बैंक के रुपये 4,30,936.93 (शब्दों में चार लाख तीस हजार नौ सौ छत्तीस और पैसे तिरानबे मात्र) दिनांक 26.08.2025 तक एवं दिनांक 01.08.2025 से आगे का ब्याज व खर्च अतिरिक्त की राशि का भार होगा।

बंधक अचल सम्पति का विवरण

आवासीय सम्पति के सभी अभिन्न अंग गठित होते है - ग्राम पंचायत देवपुरा, पंचायत समिति टोंक द्वारा जारी पट्टा संख्या 10601 दिनांक 06.11.2009 वाला आवासीय मकान का पूरा हिस्सा, ग्राम हाजीपुरा, पोस्ट- देवपुरा, जिला टोंक, राजस्थान 304001 में स्थित संपत्ति का हिस्सा, श्री सरदार खान पुत्र बूंदा खा के नाम पर है।
1430 वर्ग फुट क्षेत्रफल।
सीमाएँ :- उत्तर : सलीम का घर, दक्षिण : रास्ता, पूर्व : आम रास्ता, पश्चिम : अमीन का घर
दिनांक : 26.08.2025, स्थान : कोटा — प्राधिकृत अधिकारी, पंजाब नैशनल बैंक

ब्रीफ खबरें

लैब टेक्नीशियनो ने हाथों में काली पट्टी बांधकर निजीकरण का किया विरोध

बढ़ता राजस्थान| टोंक (का.स.)। अखिल राजस्थान लैब टेक्नीशियन कर्मचारी संघ के प्रांतव्यापी आंदोलन के तहत बृहस्पतिवार को अपनी प्रमुख मांग निजीकरण के विरोध में लैबटेक्नीशियनों ने अपने हाथों की बांहो पर काली पट्टी बांध करके काम किया। लेब टेक्नीशियन संघ के प्रदेश प्रतिनिधि पूरणमल कुशवाह ने बताया कि राज्य भर में जिला कलक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं चिकित्सा मंत्री को जांचों के निजीकरण के विरोध में एवं संवर्ग की मांगों को लेकर ज्ञापन दिए जा चुके है। लेकिन राज्य सरकार की लगातार अनदेखी के विरोध में 28 अगस्त से तीन दिवसीय आन्दोलन के तहत शांतिपूर्ण तरीके से अपने हाथों पर काली पटटी बांध करके काम किया जाएगा ताकि मरीजों को कोई परेशानी नहीं हो, इसलिए सरकार का शांतिपूर्ण तरीके से ध्यान आकर्षण किया जा रहा है। उन्होने कहा कि राज्य सरकार के पास बिल्डिंग, मशीन ,मैनपॉवर सब कुछ है, निजी हाथों में केवल पीएससी ,सीएससी से सैंपल को जिला अस्पताल तक भिजवाकर जांच होनी है यह महंगी जांचे सरकारी लैब में आज भी हो रही है लेकिन निजिकरण किए जाने से इसको राज्य सरकार को ही नुकसान होगा। कुशवाह ने कहा कि जिन राज्यों में निजीकरण का यह मॉडल लागू है वहां जांचों की गुणवत्ता भी प्रभावित होती है जिसका नुकसान मरीजों को उठाना पड़ रहा है।

आध्यात्मिक जीवन की दिशा में एक सशक्त प्रकाशस्तंभ पंडित मुकेश गौतम

बढ़ता राजस्थान|देवली (गोविंद सिंह सेठी)। देवभूमि देवली मे स्थित भगवान गुरु कृपा संस्थान आज श्रद्धा और विश्वास का वह केंद्र बनता जा रहा है। जानकारी के अनुसार यहां भक्तों के समाधान के साथ-साथ उनका आत्मिक शांति का अनुभव होता है। भगवान गुरु कृपा संस्थान से जुड़े भक्तों ने जानकारी में बताया

कि यह पावन स्थल यहां श्री डिग्गी कल्याण महाराज के अनन्य भक्त, पंडित मुकेश गौतम अपनी दिव्य साधना, गहन अनुभव और आध्यात्मिक ज्ञान से जनमानस का कल्याण कर रहे हैं। ऐसे में यहां देखा गया कि हजारों श्रद्धालु, जो जीवन की उलझनों, कष्टों और मानसिक द्वंद्व से पीड़ित होकर आते हैं उन्हें गुरुदेव की कृपा से समाधान, संतुलन और आशा की नई किरण प्राप्त होती इस पर गुरु कृपा संस्थान के पंडित मुकेश गौतम ने बताया कि गुरु केवल शिक्षक नहीं होते जो आत्मा के अंधकार को प्रकाश में बदल देते हैं वह गुरु शिक्षक के भांति होते हैं। ऐसे में अनुयायियों बताया कि पंडित मुकेश गौतम ऐसे ही एक युगद्रष्टा,गुणवान और कर्मनिष्ठ गुरु हैं।

सीएम आज टोडा आएगें,एक पेड मां के नाम अभियान में एक घण्टे में होगा 60 हजार पौधारोपण

बढ़ता राजस्थान|टोंक (का.स.)। मुख्यमन्त्री भजन लाल शर्मा शुक्रवार को टोंक जिले के टोडारायसिंह आएगें। वहां मुख्यमन्त्री एक पेड मां के नाम अभियान कार्यक्रम में भाग लेंगे साथ ही पुलिया का एवं सडको के निर्माण कार्यो का शिलान्यास करेंगे। राज्य के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भू -जल मन्त्री एवं मालपुरा - टोडारायसिंह विधायक कन्हैया लाल चौधरी ने बताया कि मुख्यमन्त्री भजनलाल शर्मा 29 अगस्त को टोडारायसिंह में एक पेड मां के नाम अभियान के तहत एक घण्टे में 60हजार पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि यह अभियान ऐतिहासिक होगा जिसमें एक घण्टे में 60हजार पौधे लगाए जाएगें। चौधरी ने बताया कि मुख्यमन्त्री भजन लाल शर्मा नीम की खान के बालाजी मन्दिर के समीप आयोजित जनसभा में बीसलपुर में 145 करोड रूपए की लागत से बनने वाली पुलिया तथा 100 करोड रूपए की लागत से बनने वाली सडको का भी शिलान्यास करेंगे। अतिरिक्त जिला कलक्टर ने बताया कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा शुक्रवार को प्रातः 11:35 बजे जयपुर से हैलीकॉप्टर द्वारा रवाना होकर दोपहर 12:05 पर हैलीपेड, टोडारायसिंह पहुंचेंगे। दोपहर 12:15 बजे लाडपुरा वन क्षेत्र, टोडारायसिंह में एक पेड़ मां के नाम एवं हरियालो राजस्थान कार्यक्रम में शामिल होंगे।

गाय को बचाने के चक्कर में गाड़ी पलटी, एक की मौत, 4 घायल

बढ़ता राजस्थान|टोंक (का.स.)। जिले के बरोनी पुलिस थानान्तर्गत सडक़ पर अचानक गाय आ जाने से उसको बचाने के प्रयास में एक गाड़ी पलट गई। हादसे में हेमराज पुत्र श्योराज गुर्जर (22) निवासीचेताणीथाना बनेठा की मौके पर ही मौत हो गई। गाड़ी में सवार रितिक चौधरी, शैतान गुर्जर, सोमेश गुर्जर और खुशीराम गुर्जर गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को टोंक सहादत अस्पताल पहुंचाया गया, जहाँ से गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया है।मृतक हेमराज गुर्जर का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों का जिला कलक्टर ने किया निरीक्षण

त्वरित राहत एवं मरम्मत कार्यों के निर्देश

बढ़ता राजस्थान

सवाईमाधोपुर (राकेश शर्मा)। जिला कलक्टर काना राम ने गुरूवार को सवाईमाधोपुर एवं मलारना डूंगर उपखंड के अतिवृष्टि एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। कलक्टर ने सबसे पहले ग्राम पंचायत चांदनहोली में बंजारा का टीला बांध का ट्रैक्टर से मौके पर जाकर निरीक्षण किया। यहां अत्यधिक जल बहाव के कारण रपट की दीवारें क्षतिग्रस्त हुई हैं। इसके बाद कलक्टर दल मेदपुरा में परिस्थितियों का जायजा लेते हुए होते हुए खिरनी पहुँचा। यहाँ माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खिरनी के परिसरों में जलभराव की स्थिति देखी गई। कलक्टर ने विद्यालयों से शीघ्र जल निकासी करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगाए गए पंप इंजनों की संख्या बढ़ाई जाए और अतिरिक्त इंजन लगाकर पानी को निगोह नदी की ओर बहने वाले नालों में निकाला जाए। जिला कलक्टर तेज बारिश के बीच ही मलारना चौड़ गांव भी पहुँचे।

यहाँ उन्होंने बैरवा मोहल्ले क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण किया और प्रभावित लोगों से बातचीत की। अतिवृष्टि से पीड़ित एक परिवार के लिए तुरंत टिनशेड लगवाने और साथ ही गाँव के अन्य राहवासियों को गुरुकुल शिक्षण संस्थान मलारना चौड़ के भवन में एक अस्थायी आश्रय स्थल में सुरक्षित पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व उपखंड अधिकारी को निर्देश दिए कि इस प्रक्रिया की निगरानी करें तथा क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे कर शीघ्र राहत कोष हेतु प्रस्ताव तैयार कर भेजें। कलक्टर ने मलारना चौड़ में मुख्य सडक़ पर जलभराव की समस्या का भी संज्ञान लिया और अधिकारियों को स्थायी जल निकासी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलक्टर ने स्थानीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि से प्रभावित सभी गांवों में जनधन एवं भौतिक क्षति का सर्वे त्वरित गति से किया जाए तथा फसलों के नुकसान का आकलन कर प्रस्ताव शीघ्र भिजवाए जाएं, ताकि प्रभावित परिवारों को समय पर राहत मिल सके। इस दौरान उनके साथ उपखंड अधिकारी सी.पी. वर्मा, विकास अधिकारी नरेंद्र मीणा एवं तहसीलदार रामजीलाल मीणा भी मौजूद रहे।

रणथंभौर दुर्ग में स्थित श्री त्रिनेत्र गणेश लक्खी मेला 2025 सम्पन्न

मेले के दौरान मानसून की झड़ी और भक्ति की धूम में सराबोर रहे श्रद्धालु

बढ़ता राजस्थान

सवाईमाधोपुर (राकेश शर्मा)। विश्व प्रसिद्ध रणथंभौर दुर्ग में स्थित एकमात्र श्री त्रिनेत्र गणेश मंदिर में तीन दिवसीय वार्षिक लक्खी मेला गुरुवार को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस वार्षिक महोत्सव में भक्ति, उत्साह और आस्था का अभूतपूर्व नजारा दिखा। मौसम के प्रतिकूल हालात के बावजूद, बेहतरीन प्रशासनिक व्यवस्थाओं ने पूरे आयोजन को ऐतिहासिक रूप से सफल बना दिया। जिला प्रशासन, नगर परिषद और पंचायती राज विभाग की ओर से सवाई माधोपुर शहर, रणथंभौर रोड, मेला मार्ग और किला तथा मंदिर परिसर क्षेत्र में साफ-सफाई और स्वच्छता ने इस बार मेले की भव्यता को नया आयाम दिया।

जिला कलक्टर काना राम ने त्रिनेत्र गणेश मेले के सफल आयोजन के लिए श्रद्धालुओं, आम जिलावासियों, मेला समिति सहित विभिन्न गतिविधियों की आयोजन समितियों और प्रशासनिक अधिकारियों को भी बधाई दी। उन्होंने विशेषकर पुलिस तथा वन विभाग सहित सभी सरकारी विभागों और संस्थाओं के कार्मिकों के साथ-साथ विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं का मेले की सभी गतिविधियों को सफल बनाने में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भगवान गणेश के लाखों श्रद्धालुओं ने अनुशासित रहकर श्रद्धा भाव से भागीदारी की, जिस कारण चुनौतीपूर्ण स्थिति के बावजूद व्यवस्थाएं नियंत्रित और अनुशासित रहीं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस बार गणेश चतुर्थी एवं बुधवार के अनूठे संयोग और मानसून की रिमझिम बारिश के बीच कारण भगवान के भक्तों में मेले के दौरान श्रद्धा और उल्लास चरम पर रहा। सवाई माधोपुर शहर के बीच से ही पूरे रणथंभोर मार्ग पर सैकड़ों की संख्या में भंडारों और प्रसादी वितरण का आयोजन हुआ, जिनमें श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों ने उत्साह के साथ भागीदारी की। मेले के दौरान लाखों की संख्या में श्रद्धालु अपने गांवों से ही गजानन्द महाराज के जन्मोत्सव के लोकगीत गाते, झूमते-नृत्य करते हुए दर्शन के लिए पहुंचे और आरती की। श्रद्धालुओं ने दुर्गम पहाड़ी चढक़र जयकारों की गूंज के बीच भगवान त्रिनेत्र गणेशजी के दरबार में विशेष रूप से सजाई गई मूर्ति के दर्शन किए और गणेशजी की पत्नियों रिद्धि और सिद्धि तथा पुत्रों शुभ और लाभ के दर्शन कर हाथ जोडक़र मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना की।

खेत में करंट से दादा व पोते की दर्दनाक मौत, खेतों में भरा पानी निकालने गए थे

बढ़ता राजस्थान

सवाईमाधोपुर (राकेश शर्मा)। जिले के छाण कस्बे के निकटवर्ती बहरावंडा खुर्द में खेत पर गए एक दादा और पोते की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार दोनों अतिवृष्टि की वजह खेतों में भरा पानी निकालने गए थे। इस दौरान खेत के समीप स्थित कुआं पर बिजली करंट दौडऩे से दादा चपेट में आ गए।

साथ में मौजूद पोता उन्हें बचाने को दौड़ा तो वह भी करंट की चपेट में आ गया। दोनों की मौके पर मौत हो गई। मृतक हजारीलाल माली (82) पुत्र घासीलाल एवं दिनेश माली (25) पुत्र रामजीलाल हैं। मृतक के परिजन रामजीलाल माली ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसके पिता हजारीलाल विगत दिनों धान के खेतों में भरे पानी को निकालने के लिए गए थे। यहां कुएं के पास स्थित विद्युत कनेक्शन के तार निकले हुए थे। अचानक हजारीलाल के तार स्पर्श होने से करंट लग गया। यहां साथ में मौजूद पोता भी उन्हें तारों से दूर करने दौड़ा तो वह भी करंट की चपेट में आ गया। उनकी हल्की चीख सुनकर आसपास खेतों में काम कर रहे किसान घटना स्थल पर पहुंचे।

दोनों को अचेतवस्था में देखकर लोगों ने बिजली आपूर्ति बंद करवाई और उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरावंडा खुर्द लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस चौकी बहरावंडा खुर्द इंचार्ज धर्मपाल चौधरी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरावंडा खुर्द पहुंचकर दोनों शवों को मोर्चरी में रखवाया। परिजनों की तहरीर पर बहरावंडा खुर्द पुलिस ने दोनों का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिए। दोनों की मौत से गांव में शोक की लहर दौड़ गई। दोनों का अंतिम संस्कार हुआ तो पूरा गांव रो पड़ा।

सीएचसी पहुंचे भाजपा मंडल अध्यक्ष, दी सांत्वना

सूचना मिलते ही भाजपा मण्डल अध्यक्ष छाण पुष्पेन्द्र मित्तल व भाजपा जिला कार्यकारिणी सदस्य मुरारी लाल वैष्णव सहित उपसरपंच जगदीश चौधरी, भाजयुमो नेता रघुवीर गुर्जर देर रात ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बहरावंडा खुर्द पहुंचे और घटना की जानकारी ली एवं परिजनों को ढाढस बंधवाया।

श्री विजयपुरा गांव में जाने वाले रास्ते पर बनी पुलिया करीब एक माह से क्षतिग्रस्त

पुलिया की दीवार पर चढकर स्कूल जा रहे बच्चे, प्रशासन मौन, ग्रामीणों आक्रोश

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। श्री विजयपुरा गांव में जाने वाले रास्ते में करीब एक माह पूर्व मूसलाधार बारिश से पुलिया टूट कर क्षतिग्रस्त हो गई है जिससे गांव में जाने का संपर्क टूट गया है। ग्रामीण रामप्रसाद गुर्जर, राकेश गुर्जर, दीपक गुर्जर, श्योजीलाल गुर्जर, रमेश गुर्जर, मुकेश गुर्जर, कालू गुर्जर, देवलाल गुर्जर व सूरज्ञान गुर्जर सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि करीब एक माह पूर्व बारिश से पुलिया टूट कर क्षतिग्रस्त हो गई थी जिससे ग्रामीणों, वाहन चालकों सहित आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि पुलिया टूट जाने से गांव में मरीज व स्कूली बच्चे प्रभावित हो रहे हैं।

गांव में जाने का संपर्क टूट जाने से ग्रामीणों को दूसरे मार्ग पर लंबा चक्कर लगाना पड़ रहा है। जिससे समय व धन दोनों की बर्बादी हो रही है। उन्होंने बताया कि टूटी हुई पुलिया के समीप राजकीय प्राथमिक विद्यालय संचालित है जिसमें पढऩे के लिए बच्चे जान जोखिम में डालकर पुलिया की दीवार को पार करके विद्यालय जा रहे हैं। जिससे कभी भी बडा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों ने पंचायत प्रशासन को पुलिया की मरम्मत करवाने के लिए कई बार अवगत करवाया है। लेकिन पंचायत प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। जिससे ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। उन्होंने प्रशासन से शीघ्र पुलिया की मरम्मत करवाने की मांग की है। जिससे ग्रामीणों को राहत मिले।

चकेरी सहित अन्य अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान का किया सर्वे

अधिकारियों को राहत कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ करने के निर्देश दिए

बढ़ता राजस्थान

सवाईमाधोपुर (राकेश शर्मा)। जिले में हुई भारी वर्षा के बाद कई गांवों में जलभराव एवं जनधन की क्षति की सूचना पर जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। गुरुवार को विकास अधिकारी सवाई माधोपुर जगदीश प्रसाद मीणा चकेरी गांव पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को राहत कार्य युद्ध स्तर पर प्रारंभ करने के निर्देश दिए। जिन घरों में जलभराव अधिक था, वहां मोटर पंप लगाकर इंजन की सहायता से पानी निकासी का कार्य किया जा रहा है।

प्रशासन ने ग्रामीणों की सुविधा के लिए भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र, चकेरी में स्थानीय ग्राम पंचायत की ओर से भोजन की व्यवस्था की है। प्रभावित क्षेत्र में पशुओं के चारे का विशेष प्रबंध करने और पशुओं में किसी बीमारी की आशंका के मद्देनजर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश पशुपालन विभाग को दिए गए हैं। साथ ही स्थानीय निवासियों को रोगों के संक्रमण से बचाव के लिए फॉगिंग करने की कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान सवाई माधोपुर तहसीलदार मदन लाल मीणा के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम एवं पंचायत राज अधिकारी प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचकर बाढ़ से हुए नुकसान का सर्वेक्षण कर रहे हैं। इसके लिए ग्राम सचिव, पटवारी और कृषि पर्यवेक्षक की टीमों का गठन कर कार्य शुरू कर दिया गया है। जिला प्रशासन ने जलभराव और बाढ़ के पीड़ित परिवारों को केटलशेड योजना से लाभान्वित कर टिनशेड लगवाने और महात्मा गांधी नरेगा योजना के जरिए 'अपना खेत अपना काम' योजना के प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए हैं। महामारी के संक्रमण की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात की जा रही हैं। जिला कलक्टर ने कहा कि प्रभावित ग्रामीणों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और राहत कार्यों को बिना विलंब पूर्ण किया जाएगा।

अनियंत्रित होकर पलटी स्कॉर्पियो कार,एक की मौत

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित पहाड़ी गांव के समीप शुक्रवार की सुबह एक स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे एक युवक की मौत हो गई व चार जने गंभीर रूप से घायल हो गए।

बरोनी थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड ने बताया कि शुक्रवार की सुबह निवाई से टोंक की ओर आ रही एक स्कॉर्पियो कार असंतुलित होकर पलट गई। उन्होंने बताया कि हादसे में हेमराज गुर्जर(22) पुत्र श्योराज गुर्जर निवासी चेताणी की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में

रितिक जाट निवासी टोंक, शैतान गुर्जर निवासी शिवपुरी टोंक, सोमेश निवासी डारडातुर्की हाल निवासी छावणी टोंक व खुशीराम गुर्जर निवासी हथौना बरोनी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना पर बरौनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को निवाई अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां से गंभीर घायल चारों को जयपुर रेफर कर दिया। बरौनी थाना के हेड कांस्टेबल शंकर चौधरी ने बताया कि उक्त लोग निवाई देवभूमि में पैदल यात्रा के कार्यक्रम में शामिल होकर शुक्रवार की अलसुबह टोंक की ओर जा रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया में हादसे का कारण चालक को नींद की झपकी आना माना जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वाहन बेकाबू होकर कई बार पलटा, जिससे कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

श्री खाटू श्यामजी के भजनो से गूंजा टोंक, के पदयात्रा रवाना

पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता ने श्रीखाटू नरेश की उतारी आरती, पदयात्रा का जगह -जगह स्वागत

बढ़ता राजस्थान

टोंक (का.स.)। श्री श्याम मंदिर टोंक से बृहस्पतिवार को श्री खाटू श्याम जी के लिए पदयात्रा रवाना हुई। जिसमे सैकडो महिला पुरुष श्याम भक्त नाचते कूदते चल रहे थे । वहीं करीबन दो दर्जन से अधिक ध्वज निशान शामिल थे यह ध्वज निशान खाटू श्याम मंदिर पहुंच करके चढ़ाएं जाएंगे।उल्लेखनीय रहे प्रमुख ध्वज निशान में सबसे ऊपर खाटू नरेश की लगी प्रतिमा आकर्षण का केंद्र थी यह

श्री सांवरिया श्रृंगार टीम ने तैयार की है। श्री श्याम मंदिर टोंक से बृहस्पतिवार को पूजा अर्चना के साथ श्री खाटू श्याम जी के लिए पदयात्रा भव्य खाटू नरेश की झांकी के साथ रवाना हुई यह पदयात्रा बड़ा कुंआ,नौशे मियां का पुल, काफला बाजार,पांच बत्ती,सुभाष बाजार होते हुए घंटाघर पहुंची।जहां पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता की अगुवाई में गुलाबके फूलों से पुष्प वर्षा करके भव्य स्वागत किया गया।

पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता,समाजसेवी मणिकांत गर्ग ,मोदी फ्रेंस क्लब टोंक के भगवान भंडारी ने श्री श्याम बाबा की आरती उतारी। पदयात्रा का मुख्य बाजारों में जगह -जगह पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया जिस दौरान श्री सांवरिया श्रृंगार टीम टोंक के पवन साहू,दीपक जैन,कपिल सिंधी, शैलेन्द्र गर्ग एडवोकेट,पुष्कर सैनी एडवोकेट,हकीम रामलाल सैनी ,पवन ग्वाला, श्री श्याम परिवार टोंक के संजय,राम,नकुल ,राजेश समर्पित,प्रेम रघुवंशी,नरेश सोनी,राज भंवर सैनी,डॉ आशीष सिंघल,कमल जैसवाल,डॉ विशाल अग्रवाल,चतुर दास रांका,अमित सर्राफ,मनमोहन विजय, कुशल कहालिया, महेंद्र चौधरी, विष्णु चावला, नरेंद्र अजमेरा, गौरव चारण, हीरा लाल महावर, सुरेश विजयवर्गीय, भगवान बाहेती, अंकित शमार्, पूरण सोनी,विनोद पोरवाल,खेमराज मीणा आदि शामिल थे।

कार्यालय नगर पालिका, निवाई

क्रमांक : न.पा.नि./ई-नीलामी/2025-26/6849 दिनांक : 26-08-2025

भव्य ई-नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका निवाई में पालिका की आवासीय योजनाओं में आवासीय भूखण्डों को नीचे दर्शित भूखण्ड व साईज अनुसार निम्नांकित दिवसों में विक्रय किये जायेंगे जिसका ब्यौरा एवं नीलामी की शर्ते कार्य दिवस में कार्यालय में एवं पोर्टल पर ऑनलाइन देखी जा सकती है। उक्त नीलामी निर्धारित दिनांक प्रातः 11.00 बजे से ऑनलाइन पोर्टल **http://sso.rajasthan.gov.in** में ई-ऑक्सन एप्लीकेशन (E-Auction Application) के माध्यम से राजस्थान नगर पालिका भूमि निष्पादन नियम 1974 के प्रावधानों के अन्तर्गत सार्वजनिक नीलामी से आवासीय भूखण्ड विक्रय हेतु की जाएगी। इच्छुक बोलीदाता निर्धारित दिनांक तक अमानत राशि ऑनलाईन जमा कर बोली में भाग ले सकते है। भूखण्डों की बोली ऑनलाईन निर्धारित दिनांक को प्रातः 11.00 बजे से प्रारम्भ की जाकर अंतिम बोली समाप्ति तक रखी गई है। भूखण्ड जिस स्थान व जिस स्थिति में होंगे उसी स्थिति में विक्रय किये जायेंगे जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

क्र. सं.	योजना का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड का प्रकार	क्षेत्रफल (वर्गगज)	आरक्षित दर प्रति वर्गगज	तादाद भूखण्डों की संख्या	अमानत राशि (प्रति भूखण्ड)	बोली प्रक्रिया/ आवेदन शुल्क	बोली प्रारंभ दर प्रति वर्गगज (राशि रुपयों में)	नीलामी तिथि
1.	श्यामाप्रसाद मुखर्जी नगर	282, 283, 289, 290, 291, 292, 293, 294, 295, 296	आवासीय	200	6000/-	10	25,000/-	1000/-	14000/-	09-09-2025 से 11-09-2025
2.		233	आवासीय	213.33	6000/-	1	20,000/-	1000/-	14000/-	
		284	आवासीय	240	6000/-	1	25,000/-	1000/-	14000/-	
		285	आवासीय	293.49	6000/-	1	35,000/-	1000/-	14000/-	
		286	आवासीय	313.76	6000/-	1	35,000/-	1000/-	14000/-	
		287	आवासीय	336.30	6000/-	1	35,000/-	1000/-	14000/-	
		288	आवासीय	240	6000/-	1	35,000/-	1000/-	14000/-	
		297	आवासीय	198.75	6000/-	1	25,000/-	1000/-	14000/-	
		298	आवासीय	193.75	6000/-	1	25,000/-	1000/-	14000/-	
3.	वीर सावरकर	14	आवासीय	183.33	6000/-	1	15,000/-	1000/-	14000/-	

ई-नीलामी सम्बन्धित समय व दिनांक का विवरण :-

ई-नीलामी से सम्बन्धित विवरण व शर्त वेबसाईट **http://sso.rajasthan.gov.in** में ई-ऑक्सन एप्लीकेशन (E-Auction Application) के माध्यम से देखी जा सकती है।

नीलामी दिनांक 09-09-2025 से 11-09-2025 का विवरण	
विवरण	**दिनांक व समय**
ई-निविदा में भाग लेने हेतु राशि जमा कराने की तारीख	दिनांक 01-09-2025 से 08-09-2025 सायंकाल 5:00 बजे तक
ई-निविदा की तारीख	09-09-2025 को प्रातः 11:00 बजे से दिनांक 11-09-2025 को सायं 04.00 बजे तक

नोट :-

1. नीलामी में शामिल किसी भूखण्ड के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो मय दस्तावेजों के साथ कार्यालय में नीलामी दिनांक से पूर्व नियमानुसार अपनी आपत्ति दर्ज करावें, बाद मियाद कोई कार्यवाही नहीं की जायेगी जिसकी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्ति/संस्था की होगी।

नीलामी से सम्बन्धित नियम व शर्तों की जानकारी कार्यालय नगर पालिका निवाई में सम्पर्क कर एवं वेबसाईट **http://lsgeauction.rajasthan.gov.in/** पर देखी जा सकती है।

अध्यक्ष **अधिशासी अभियंता**

स्वच्छ अलवर अभियान को पलीता, 1400 से अधिक सफाई कर्मी होने के बावजूद गंदगी का अंबार

बढ़ता राजस्थान

अलवर (रुपक शर्मा) | शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। 65 वार्डों में 1400 से अधिक स्वच्छता सैनिक (ठेका व सरकारी कर्मचारी) होने के बाद भी हालात यह हैं कि नालियां जाम हैं, मोहल्लों और कॉलोनियों में गंदगी का अंबार है। इसके चलते डेंगू, मलेरिया और स्क्रब टाइफस जैसी बीमारियां फैल रही हैं। नगर निगम का रवैया उदासीन बना हुआ है।

भ्रष्टाचार का खेल

नगर निगम के आंकड़ों के अनुसार शहर में 900 से अधिक ठेका सफाई कर्मी और 550 सरकारी सफाई कर्मचारी तैनात हैं। यानी 65 वार्डों में औसतन 22 सफाई कर्मी प्रतिदिन सफाई में जुटने चाहिए। लेकिन जमीनी हकीकत इसके विपरीत है। आरोप है कि फर्जी हाजरी और लापरवाही के कारण सफाई कार्य महज़ कागजों तक सीमित है, जबकि सरकारी खजाने पर करोड़ों का बोझ पड़ रहा है।

इंदौर मॉडल सिर्फ दौरा तक सीमित

स्वच्छ भारत अभियान को लेकर निगम अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने इंदौर का दौरा कर सफाई व्यवस्था का अध्ययन भी किया था। लेकिन वहां की व्यवस्था अपनाने के बजाय, अलवर में हालात जस के तस बने हुए हैं। स्थानीय लोग व्यंग्य में नगर निगम को 'नगद निगम' और 'नरक निगम' कहने लगे हैं।

जनता के मन में सवाल

जनता का कहना है कि यदि सभी 1400 सफाई कर्मी रोजाना तय जि मेदारी निभाएं तो अलवर को साफ-सुथरा शहर बनाना मुश्किल नहीं है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर इस अव्यवस्था और भ्रष्टाचार की जि मेदारी कौन लेगा?

किसानों के हक की लड़ाई हमेशा लड़ेगी कांग्रेस : नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.) | नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी किसानों के हक के लिए हमेशा संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों ने किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं, मगर उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा।

जूली गुरुवार को धान मंडी बूंदी में आयोजित किसान ललकार रैली को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद, बिजली, फसल खराबे और अतिवृष्टि का उचित मुआवजा तक नहीं मिल रहा, वहीं स्मार्ट मीटर जबरन थोप दिए गए हैं।

सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप

जूली ने कहा कि 2014 के चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को ष्ट2 लागत का डेढ़ गुना समर्थन मूल्य देने का वादा किया था और संयुक्त किसान मोर्चा से लिखित समझौता किया था, लेकिन आज तक यह वादा पूरा नहीं हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि वादाखिलाफी इस सरकार के चरित्र में है और इसी कारण उसने जनता का विश्वास खो दिया है।

किसानों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि समस्या का समाधान करने की जगह सरकार किसानों के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का हर कार्यकर्ता किसानों की आवाज उठाने के लिए संघर्ष करेगा और विधानसभा में एक मजबूत विपक्ष के रूप में इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाया जाएगा।

अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार, बानसूर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य) | बानसूर थाना पुलिस ने अवैध हथियार रखने के मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से एक अवैध 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।

थानाधिकारी सुरेन्द्र मलिक ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक, जयपुर रेंज के आदेशानुसार चलाए जा रहे सात दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा की सुपरविजन में बानसूर थाना प्रभारी सुरेन्द्र मलिक के नेतृत्व में गठित टीम सतत निगरानी कर रही थी।

इसी दौरान 27 अगस्त को मिली पु ता सूचना के आधार पर टीम ने रोहित पुत्र विक्रम मेघवाल (18 वर्ष), निवासी मल्लूवास थाना हरसौरा, हाल निवासी खेड़ा श्यामपुरा थाना बानसूर को दबोचा। आरोपी के पास से देशी कट्टा और कारतूस बरामद कर उसे गिर तार किया गया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 9/25 के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। गिरफ्तारी टीम में थानाधिकारी सुरेन्द्र मलिक, सहायक उपनिरीक्षक रतन सिंह, कांस्टेबल राकेश कुमार, लोकेश कुमार, रविन्द्र सिंह और मनिन्दर सिंह शामिल रहे।

डकैती की योजना बनाने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, बानसूर थाना पुलिस की बड़ी कार्यवाही

बढ़ता राजस्थान

बानसूर | बानसूर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हरसौरा थाना क्षेत्र के पेट्रोल पंप पर डकैती की योजना बनाने वाले दो आरोपियों को गिर तार किया है। इससे पहले इस मामले में तीन आरोपियों को पहले ही गिर तार किया जा चुका है।

थानाधिकारी सुरेन्द्र मलिक ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक, जयपुर रेंज राहुल प्रकाश के आदेशानुसार चलाए जा रहे 7 दिवसीय एरिया डोमिनेशन अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। कोटपूतली-बहरोड़ जिला पुलिस अधीक्षक देवेंद्र कुमार विश्नोई के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा के सुपरविजन और थानाधिकारी सुरेंद्र मलिक के नेतृत्व में टीम गठित की गई।

टीम ने मुकदमा सं या-119/2025, थाना हरसौरा में फरार चल रहे आरोपी सुरेश गुर्जर पुत्र जलेसिंह गुर्जर (23), निवासी देवशन तथा अंकित उर्फ मोनू पुत्र मुखराम यादव (23), निवासी नई सडक़ खेड़ा श्यामपुरा को 27 अगस्त को दबिश देकर डिटेन कर नियमानुसार गिर तार किया।

इस प्रकरण में अब तक कुल पांच आरोपियों की गिर तारी हो चुकी है, जबकि शेष तीन वांछित आरोपियों की तलाश जारी है।

गिर तारी की कार्रवाई में बानसूर थानाधिकारी सुरेन्द्र मलिक, कांस्टेबल रविन्द्र सिंह, राकेश कुमार और मनिन्दर शामिल रहे।

गणपति उत्सवः अलवर में नौ दिनों का भव्य आयोजन, इको-फ्रेंडली मूर्तियों पर जोर

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.) | भाद्रपद मास की चतुर्थी तिथि से प्रारंभ हुआ गणेश उत्सव इस वर्ष भी देशभर की तरह अलवर में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। श्रीराम शिव हनुमान मंदिर, दाउदपुर में गुरुवार को भक्तों ने गणेश मंत्रों के उच्चारण के बीच दीप यज्ञ की शुरुआत की। गायत्री परिवार महिला मंडल की श्रीमती रजनी शर्मा, श्रीमती रीना गुप्ता और श्रीमती ममता गुप्ता ने दीप यज्ञ का आयोजन किया। इस दौरान पंडालों में सांस्कृतिक कार्यक्रम और कीर्तन का माहौल रहा।

पर्यावरण संदेश के साथ उत्सव

भक्तों को इस अवसर पर पर्यावरण के प्रति जागरूक करते हुए इको-फ्रेंडली गणेश मूर्तियों के उपयोग को बढ़ावा दिया गया। मिट्टी की मूर्तियों और विसर्जन के लिए पर्यावरण-अनुकूल तरीकों पर विशेष जोर दिया गया।

संकल्प से समाज सुधार की ओर

यज्ञ की पूर्ण आहुति के अवसर पर गायत्री परिवार द्वारा श्रद्धालुओं को एक बुराई छोडऩे और एक अच्छाई ग्रहण करने का संकल्प दिलवाया गया।

स्काउट सौरभ शर्मा राष्ट्रपति अवार्ड से होंगे सम्मानित

बढ़ता राजस्थान . राजगढ़ (अलवर) | स्काउट गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय नई दिल्ली की ओर से आयोजित राष्ट्रपति अवार्ड रैली 29 अगस्त से 1 सितंबर तक नेशनल यूथ कॉ प्लेक्स, गदपुरी (हरियाणा) में आयोजित होगी। इस रैली में तहसील के गोठ गांव निवासी स्काउट सौरभ शर्मा पुत्र चंद्रशेखर शर्मा को राष्ट्रपति अवार्ड स्काउट से स मानित किया जाएगा। सौरभ शर्मा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता और ताऊजी पुरुषोत्तम लाल शर्मा को दिया। उन्होंने बताया कि ताऊजी की प्रेरणा से ही वे स्काउटिंग संगठन से जुड़े। स्काउट मास्टर रामप्रताप शर्मा ने बताया कि सौरभ शर्मा ने मीन ओपन ट्रूप भजेड़ा के ग्रुप से जुडक़र यह मुकाम हासिल किया है। सौरभ को इससे पहले दो बार राज्यपाल अवार्ड भी मिल चुका है। हाल ही में जिले के स्काउट वार्षिक अधिवेशन में एक स्काउटर के रूप में उन्हें हिमालय वुड बैज पार्चमेंट के साथ बीटस पहनाकर स मानित किया गया था। अलवर के सीओ स्काउट राजेंद्र मीणा, डीटीसी प्रमोद शर्मा, सीओ गाइड विजय लक्ष्मी रोहिल्ला, चंद्रमा सिंह, दिनेश कुमार, राकेश कुमार सैनी सहित अन्य ने सौरभ शर्मा को राष्ट्रपति पुरस्कार मिलने पर शुभकामनाएं दीं।

खाद्य सुरक्षा लाभार्थियों के लिए आधार सीडिंग और ई-केवाईसी अनिवार्य

बढ़ता राजस्थान . अलवर (का.स.) | राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा सूची में शामिल परिवारों के सभी सदस्यों की आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी करवाना अब अनिवार्य कर दिया गया है। जिला रसद अधिकारी विनोद जुनेजा ने बताया कि ऐसा नहीं करने पर राशन प्राप्त करने में कठिनाई हो सकती है। उन्होंने बताया कि 5 वर्ष से छोटे बच्चों और 70 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थियों को ई-केवाईसी से छूट दी गई है। जबकि 5 वर्ष से अधिक उम्र के बच्चों का आधार अपडेट कराकर उनकी आधार सीडिंग व ई-केवाईसी कराना जरूरी है।

रसद अधिकारी ने अपील की कि सभी खाद्य सुरक्षा लाभार्थी उपभोक्ता पखवाड़ा प्रारंभ होने से पूर्व अपने परिवार के ऐसे सदस्यों की आधार सीडिंग एवं ई-केवाईसी सुनिश्चित कर लें, जिनकी प्रक्रिया अभी शेष है। इससे राशन प्राप्त करने में कोई परेशानी नहीं होगी। उन्होंने यह भी बताया कि यदि खाद्य सुरक्षा से लाभान्वित परिवार के पास गैस कनेक्शन है तो अपनी एलपीजी आईडी उचित मूल्य की दुकान पर अनिवार्य रूप से मैप कराएं, ताकि मु यमंत्री एलपीजी सब्सिडी योजना का लाभ भी मिल सके। एलपीजी आईडी संबंधित गैस एजेंसी से प्राप्त की जा सकती है।

संघर्ष के बीच मिली सफलता

पुनर्मूल्यांकन में बढ़े अंक, काजल ने हासिल किए 90.83 प्रतिशत

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य) | मेहनत और लक्ष्य तभी पूरे हो सकते हैं जब इरादे दृढ़ हों।" यह साबित किया है नारायणपुर उपखण्ड की लाड़ली छात्रा काजल गुवारिया ने।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की लापरवाही का शिकार बनी काजल को घोषित प्रारंभिक परिणाम में 10वीं कक्षा में केवल 86.50 प्रतिशत अंक मिले थे। लेकिन जब उसने संस्कृत और विज्ञान विषय का पुनर्मूल्यांकन कराया तो बड़ा बदलाव सामने आया। संस्कृत विषय में उसके 26 अंक बढक़र 95 हो गए और इसके साथ ही उसका कुल परिणाम 90.83 प्रतिशत तक पहुँच गया। काजल की यह उपलब्धि केवल अकादमिक सफलता नहीं बल्कि संघर्ष की प्रेरक कहानी है। दो साल पहले माँ के निधन के बाद घर की पूरी जि मेदारी उसके कंधों पर आ गई। छोटे भाई की देखभाल, रसोई और घरेलू कामकाज के साथ-साथ उसने अपनी पढ़ाई को भी जारी रखा। किसी भी निजी या शैक्षणिक सहयोग के अभाव में काजल ने हार नहीं मानी और पढ़ाई को ही प्राथमिकता दी।

विद्यालय निदेशक के अनुसार, काजल शुरू से ही मेधावी रही है, लेकिन पिछले दो वर्षों में जिस तरह उसने कठिन परिस्थितियों में भी पढ़ाई जारी रखी, वह अद्वितीय है। देर रात तक पढ़ाई करना और घरेलू कार्यों के बीच संतुलन बनाना उसकी दिनचर्या का हिस्सा बन गया था।

काजल की सफलता ने न केवल परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उसकी कहानी यह साबित करती है कि परिस्थितियाँ चाहे कितनी भी कठिन क्यों न हों, मजबूत इच्छाशक्ति और मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

बानसूर में सुपाच्य और स्वादिष्ट भोजनालय एवं टिफिन सेवा शुरू

बढ़ता राजस्थान

बानसूर (धीरज मौर्य) | नगर पालिका क्षेत्र में अब आमजन को स्वादिष्ट और सुपाच्य भोजन उपलब्ध होगा। बाईपास रोड स्थित बानसूर कॉलेज के सामने श्री श्याम भोजनालय एवं टिफिन सर्विस सेंटर का गुरुवार को उद्घाटन किया गया। यह सेवा उन लोगों के लिए बेहद सुविधाजनक साबित होगी, जो टिफिन मंगवाकर संतुलित और पौष्टिक भोजन चाहते हैं।

कार्यक्रम के मु य अतिथि, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष मातादीन दहमीवाल ने कहा कि बानसूर क्षेत्र में अब स्वादिष्ट और शुद्ध शाकाहारी भोजन की सुविधा लोगों को आसानी से मिल सकेगी। उन्होंने टिफिन सेंटर के मालिक को इस पहल के लिए धन्यवाद भी दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मिश्रीनाथ जी महाराज आश्रम के महंत श्री जगन नाथ महाराज जी ने की। वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में रामनिवास यादव, नितिन कुमार यादव, अशोक सैनी, संदीप कुमार, दिनेश पहलवान, श्योराम उपसरपंच, धीरज, जितिन, दयाराम, राजकुमार, महेंद्र, मुकेश, नरेश, कबूल, टिंकू, जयकुमार, लोकेश और संचालक सत्यवीर कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। श्री श्याम भोजनालय एवं टिफिन सर्विस सेंटर की शुरुआत से बानसूर के नागरिकों को न केवल घर बैठे ताजगी भरा भोजन मिलेगा, बल्कि यह सुविधा स्वास्थ्य और स्वाद दोनों का ध्यान रखते हुए उपलब्ध कराई गई है।

सुरक्षा गार्डों का प्रदर्शन, प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा शोषण के खिलाफ ज्ञापन सौंपा

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़ (अलवर) | भारत निर्माण राजीव गांधी केंद्र में कार्यरत सुरक्षा गार्डों ने प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा उनके साथ हो रहे शोषण के विरोध में गुरुवार को पंचायत समिति के गेट पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस दौरान सुरक्षा गार्डों ने उपखंड अधिकारी सीमा मीना और सहायक विकास अधिकारी हरफूल मीना को अपना ज्ञापन सौंपा।

सुरक्षा गार्डों ने बताया कि वे राजगढ़, रैणी, लक्ष्मणगढ़ सहित जिले के विभिन्न हिस्सों में कार्यरत हैं और लगातार प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा उनका शोषण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2012-13 से 2022-23 तक की पूर्व एजेंसी द्वारा मूल भुगतान, पीएफ और ईएसआई का भुगतान अब तक नहीं किया गया है। वर्तमान में नवीन प्लेसमेंट एजेंसी के अधीन उन्हें नियमित भुगतान और पीएफ मिल रहा है।

सुरक्षा गार्डों ने विभागीय अधिकारियों से मांग की कि हाल ही में जारी 9 फर्मों के टेंडर को निरस्त कर पुनः वही पुरानी प्लेसमेंट एजेंसी नियुक्त की जाए। साथ ही, उन्होंने पूर्व एजेंसियों द्वारा 2012-13 से 2022-23 तक बकाया भुगतान, पीएफ और ईएसआई की अदायगी सुनिश्चित करने की भी मांग की।

जय किशन क्लब अलवर में हुई आईपीएल इंडिया की राष्ट्रीय बैठक

जयपुर में होगी नेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.) | भारतवर्ष के सभी राज्यों के प्रतिनिधियों की आईपीएल इंडिया की बैठक गुरुवार को जय किशन क्लब, अलवर में स पन्न हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी नेशनल पावरलि टिंग चैंपियनशिप अक्टूबर माह में राजस्थान पावरलि टिंग संगठन के तत्वावधान में जयपुर में आयोजित की जाएगी। बैठक में आईपीएल के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओमप्रकाश अंगरिष, द्रोणाचार्य अवार्डी भूपेंद्र धवन, वर्ल्ड चैंपियन सुरेंद्र सिंह, कॉमनवेल्थ चैंपियन परबजीत बक्शी और यूरोपीयन चैंपियन भीम सिंह विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

स्वस्थ भारत अभियान से जुड़ा नया कदम

इस अवसर पर द्रोणाचार्य भूपेंद्र धवन ने बताया कि आने वाले समय में देश के सभी राज्यों में चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी, जिससे खिलाडिय़ों को राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढऩे के अवसर मिलेंगे। उन्होंने स्किल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत आईआरईएफ सर्टिफिकेट वितरण की शुरुआत भी की।

अतिथियों का हुआ राजस्थानी परंपरा से स्वागत

कार्यक्रम के संयोजक नीरज कपूर और अंकित कौशिक ने सभी अतिथियों का राजस्थानी साफा और माल्यार्पण कर स्वागत किया। जयपुर में होने वाली आगामी नेशनल पावरलि टिंग चैंपियनशिप के आयोजन के फैसले का स्वागत किया।

शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा की नई कार्यकारिणी गठित, अनोपचंद खीचड़ बने अध्यक्ष

बढ़ता राजस्थान

खाजूवाला (दलीप नोखवाल)। दंतौर रोड स्थित बिश्नोई धर्मशाला में राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय की उपशाखा खाजूवाला की कार्यकारिणी का निर्वाचन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष रवि आचार्य तथा प्रदेश उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बिश्नोई के नेतृत्व में निर्वाचन प्रक्रिया पूरी की गई। निर्वाचन में उपस्थित सभी शिक्षकों ने सर्वसम्मति से अनोपचंद खीचड़ को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी। इसके साथ ही कार्यकारिणी में मंत्री पद पर महावीर धतरवाल, कोषाध्यक्ष पद पर पप्पूराम सहू, सभाध्यक्ष पद पर ओमप्रकाश शर्मा, उप सभाध्यक्ष पद पर राकेश चौहान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर दिनेश सारस्वत तथा उपाध्यक्ष पद पर देवीलाल मेघवाल को चुना गया। नवनियुक्त अध्यक्ष अनोपचंद खीचड़ ने पद ग्रहण करते हुए कहा कि संगठन की एकता और मजबूती के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने शिक्षकों की समस्याओं के समाधान और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार को प्राथमिकता देने का संकल्प भी व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक मौजूद रहे और नवगठित कार्यकारिणी का स्वागत किया।

पचासवां श्री विष्णु महा यज्ञ आज से,पूर्णाहुति 5 सितंबर को होगी

बढ़ता राजस्थान

बांदीकुई, (नि.स.)। समीपवर्ती सावलिया जी धाम करनार में आज 28 अगस्त शुक्रवार से 51वा श्री विष्णु महायज्ञ के शुरू होगा। शुक्रवार प्रात 9:15 से श्री बालाजी महाराज मंदिर(नदी वाले)से जल यात्राएवं कलश यात्रा प्रारंभ होगी। जो गांव की परिक्रमा कर साँवलाजी धाम करनार पहुंचेगी। यज्ञ के मुख्य यजमान महेंद्र काला की ढाणी करनावर,भागवत यजमान मनोज चतुर्वेदी,प्रधान कलश यजमान बनवारी लाल बावड़ी वाला,मुख्य ध्वज यजमान रामपाल मीणा टीवी वाला,छोटी कुंडी एक के श्याम बिहारी मिश्रा,छोटी कुंडी दो के सुमेर सैनी पौधावाला,छोटे कुंडी तीन के बाबूलाल मीणा व रामसहाय,छोटी कुंडी चार के गोकुल राम सैनी पौधावाला होंगे। यज्ञ की पूर्णाहुति 5 सितंबर को होगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर तीन दिवसीय खेल एवं फिटनेस गतिविधियां

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर प्रतिवर्ष 29 अगस्त को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय खेल दिवस इस बार जिले में तीन दिवसीय खेल एवं फिटनेस गतिविधियों के साथ मनाया जाएगा। जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू ने अधिकारियों को कार्यक्रमों के सफल आयोजन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कार्यक्रमों की शुरुआत 29 अगस्त को सभी शिक्षण संस्थानों में प्रातःकालीन सभा के दौरान मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देने, फिट इंडिया शपथ लेने और मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं से होगी। शाम को मोदी ग्राउंड में स्वतंत्रता सेनानियों एवं अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के नाम पर बनी टीमों के बीच फुटबॉल, हॉकी और नेटबॉल मुकाबले खेले जाएंगे।

जिला खेल अधिकारी हेमेंद्र सिंह राणावत ने बताया कि 30 अगस्त को विद्यालयों और महाविद्यालयों में खेलों पर वाद-विवाद प्रतियोगिता और फिटनेस वार्ताएं आयोजित होंगी। शाम को विभिन्न खेल मैदानों पर कुश्ती, खो-खो, टेबल टेनिस, बास्केटबॉल, जिम्नास्टिक सहित इंडोर और स्वदेशी खेल

ग्रामदानी गांवों ने कार्य संपादन में अध्यक्षों के हस्ताक्षर मांगे

बढ़ता राजस्थान

नाहरपुरा (नि.स.)। उपखंड आनंदपुरी के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामदानी गांवों के अध्यक्षो ने जिला ग्रामदानी संघ के अध्यक्ष मोहनलाल जी रोत के नेतृत्व में आनंदपुरी तहसीलदार को लिखित ज्ञापन देकर मांग की है कि हमें हमारे ग्रामदानी गांवों के अनुसार सभी कार्य पटवारी के हस्ताक्षर से न करके पहले ग्रामदानी गांवों के अध्यक्षों के हस्ताक्षर से संपादित किये जाये इसलिए सभी ग्रामदानी गांवों के अध्यक्षो के हस्ताक्षर को प्राथमिकता दी जाए ग्रामदानी एक्ट के अनुसार सभी अधिकार अध्यक्षों के पास निहित है इसलिए कोई भी कार्य पटवारी से हस्ताक्षरित को मान्य न करके ग्रामदानी अध्यक्ष के हस्ताक्षर को मान्य किया जाये यह सभी ग्रामदानी गांवों के अध्यक्षो के हस्ताक्षर युक्त ज्ञापन सौंपा गया अध्यक्षों में सुन्द्राव के सुखलाल जी निनामा,पचोर के प्रवीण मालवीया, उम्मेदपुरा के शंकर भाई,लालु भाई सहित कही ग्रामदानी गांवों के अध्यक्ष मौजुद रहे।

खाजूवाला में बढ़ती चोरी की वारदातों से आक्रोशित लोग

थाने के सामने धरना-प्रदर्शन, बोले-चोरों की गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी रहेगा

बढ़ता राजस्थान

खाजूवाला (दलीप नोखवाल)। खाजूवाला मण्डी क्षेत्र में चोरी की बढ़ती वारदातों से आक्रोशित व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने गुरुवार को पुलिस थाने के सामने धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक चोरों की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक धरना अनिश्चितकालीन रूप से जारी रहेगा।

पीड़ित व्यापारी कृष्ण पारीक ने बताया कि पिछले कई दिनों से खाजूवाला मण्डी में लगातार बड़ी चोरी की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन पुलिस अब तक किसी भी आरोपी को पकडऩे में नाकाम रही है। इसी को लेकर लोगों ने सामूहिक रूप से थाने के बाहर डेरा डाल दिया है।

लाखों की नकदी और जेवरात चोरी

लोगों का कहना है कि 2 अगस्त 2025 को वार्ड नम्बर 5 तावनीयां कॉलोनी के दो घरों में दिनदहाड़े चोरी हुई। इसमें लाखों रुपए नकद और सोने-चांदी के जेवरात चोर ले गए। इसके बाद वार्ड नम्बर 14 के एक अन्य घर को भी चोरों ने निशाना बनाया, जिसमें करीब 5 लाख रुपये नकदी, लाखों के जेवरात और घरेलू सामान चोरी हो गया।

इसके अलावा 26 अगस्त को सरकारी अस्पताल के पास मोटर बाइंडिंग ट्यूबवेल की दुकान से करीब 5 लाख रुपये का तांबा और अन्य सामान चोरी कर लिया गया।

पुलिस पर निष्क्रियता का आरोप

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि लगातार शिकायतों और वारदातों के बावजूद चोरों को पकडऩे के लिए अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। इससे क्षेत्र के लोगों में भय का माहौल बन गया है।

हनुमान मंदिर से थाने तक रैली

गुरुवार सुबह बड़ी संख्या में व्यापारी और आमजन हनुमान मंदिर पर एकत्र हुए। यहां से रैली निकालते हुए लोग मुख्य मार्गों से होते हुए पुलिस थाने पहुंचे और नारेबाजी करते हुए धरने पर बैठ गए।

इस दौरान पुलिस थानाधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें चोरियों का खुलासा कर दोषियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की गई।

चेतावनी - जरूरत पड़ी तो मण्डी बंद करेंगे : प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही चोरी की वारदातों का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया तो खाजूवाला मण्डी को पूर्ण रूप से बंद करने का आह्वान किया जाएगा। धरने में मण्डी के व्यापारी, पीड़ित परिवार और बड़ी संख्या में कस्बेवासी मौजूद रहे।

केसरी नंदन अखाड़े के पहलवानों ने जीते 12 पदक, जनरल चैंपियनशिप पर किया कब्जा

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। भरतपुर के लोहागढ़ स्टेडियम में 15 से 17 अगस्त तक आयोजित अंडर-23 सीनियर राज्य स्तरीय पुरुष एवं महिला कुश्ती प्रतियोगिता में केसरी नंदन व्यायाम शाला, भीलवाड़ा के पहलवानों ने शानदार प्रदर्शन कर 12 पदक अपने नाम किए। इनमें स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक शामिल हैं। इसी दम पर व्यायाम शाला ने जनरल चैंपियनशिप भी जीती। अंतरराष्ट्रीय कुश्ती प्रशिक्षक जगदीश जाट ने बताया कि महिला वर्ग में मनीषा माली (59 किग्रा) और माया माली (68 किग्रा) ने स्वर्ण पदक जीते। पुरुष ग्रीको रोमन शैली में संदीप प्रजापत (60 किग्रा) ने स्वर्ण, प्रदीप जाट (82 किग्रा) ने रजत और सुखदेव मोटीया (63 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किया। फ्रीस्टाइल मुकाबलों में राहुल जाट (79 किग्रा) और आदित्य पंकज शर्मा (125 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। महिला वर्ग में अंजलि साहू (57 किग्रा), खुशी बिश्नोई (65 किग्रा), हितिशा जॉर्ज (72 किग्रा), खुशी जाट (76 किग्रा) और वर्षा खोखावत (57 किग्रा) ने कांस्य पदक प्राप्त किए। उन्होंने बताया कि स्वर्ण पदक विजेता पहलवान अब 22 से 24 अगस्त तक रांची, झारखंड में होने वाली राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पदक वितरण समारोह में राजस्थान कुश्ती संघ के प्रधान राजीव दत्ता और सचिव उम्मेद सिंह झांझरिया ने विजेताओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर व्यायाम शाला के संरक्षक राधेश्याम बाहेडिय़ा, अध्यक्ष सुवालाल जाट, नेता प्रतिपक्ष धर्मेंद्र पारीक, सचिव अरुण कुमार सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे और सभी ने खिलाडिय़ों को बधाई व शुभकामनाएं दीं।

भारतीय श्री सीमेंट कर्मचारी संघ ब्यावर ने मनाया पर्यावरण दिवस

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। भारतीय श्री सीमेंट कर्मचारी संघ ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया। संघ के महामंत्री शंकर सिंह लगेत ने बताया कि भारतीय मजदूर संघ के छह पर्वों में से एक पर्यावरण दिवस है, जिसे श्रम कार्यालय ब्यावर में वृक्षारोपण कर मनाया गया कार्यक्रम में उन्होंने गत वर्ष लगाए गए पौधों का जन्मदिन मनाया—तिलक, मौली बाँधकर और गुड़ खिलाकर सभी को मुंह मीठा कराया। साथ ही 11 नए बड़े पौधे भी लगाए गए। संघ द्वारा इस वर्ष एक माह में लगभग 450 पौधे लगाए जा चुके हैं। कार्यक्रम में संघ अध्यक्ष दिलीप टाक ने अतिथियों का स्वागत कर आभार व्यक्त किया इस अवसर पर संघ के संरक्षक दिलीप सेन, नीरू काठात, मनोहर सिंह, सोहन सिंह, जितेंद्र सिंह, सलीम काठात, राजेंद्र भाटी सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ब्यावर में निकला भव्य क्षमायाचना जुलूस

साधु-साध्वियों के चरणों में सामूहिक रूप से मांगी क्षमा, पूरा शहर रहा आध्यात्मिक माहौल में सराबोर

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (अनिल सिखवाल)। पवित्र संवत्सरी पर्व के अवसर पर ब्यावर शहर जैन धर्म की आस्था और अध्यात्म से सराबोर हो गया। सकल श्वेताम्बर जैन समाज के बैनर तले प्रातः भव्य क्षमायाचना जुलूस निकाला गया, जिसमें समाज के हजारों श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया ओसवाल पंचायती नोहरा से प्रारंभ हुआ जुलूस जुलूस की शुरुआत पंचायती नोहरा से हुई। श्रद्धालु जन भगवान महावीर स्वामी के जयकारों, भजनों और मिच्छामि दुक्कडम के उद्घोष के साथ आगे बढ़े। पूरा शहर 'क्षमा' और 'शांति' के संदेश से गूंज उठा।

साधु-साध्वियों के चरणों में सामूहिक क्षमा याचना : जुलूस क्रमशः ओसवाल पंचायती नोहरा, शांतिनाथ जैन मन्दिर, बिरद भवन, समता भवन, तेरापंथ सभा भवन, कांकरिया ढेलान, बांठिया भवन सहित विभिन्न स्थलों पर पहुंचा। इन सभी स्थानों पर विराजित साधु-साध्वियों के समक्ष समाजजनों ने सामूहिक रूप से क्षमा याचना की और आशीर्वचन प्राप्त किए।

भूल-चूक के लिए मांगी क्षमा: जुलूस में श्रावक-श्राविकाओं ने एक-दूसरे के गले मिलकर और चरण स्पर्श कर वर्षभर में हुई भूल-चूक के लिए क्षमा मांगी। मिच्छामि दुक्कडम का उच्चारण करते हुए सभी ने आपसी सौहार्द और धार्मिक एकता का संदेश दिया। समाज के पुरुष, महिलाएं, युवा, वृद्ध और बालक-बालिकाएं सभी सफेद वेशभूषा में शांति, प्रेम और सौहार्द के सन्देश के साथ शामिल हुए। पूरा वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा और धार्मिक भावना से ओतप्रोत रहा।

समाज की एकता का अद्भुत उदाहरण : सकल जैन समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन समाज की एकता और धार्मिक परंपरा का अद्भुत प्रतीक है। साधु-साध्वियों ने अपने संदेश में कहा कि क्षमा ही सच्चा धर्म है, और इसी से जीवन में शांति व सद्भाव संभव है।

शराब के ठेके को हटाने के विरोध में मुखर हुई महिलाएं, एसडीएम कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे लोग

बढ़ता राजस्थान

बांदीकुई, (नि.स.)। अनुसूचित जाति बाहुल्य कुटी रेलवे फाटक पर संचालित शराब की दुकान को हटवाने के लिए अनुसूचित जाति की महिलाएं एक बार फिर से मुखर हो गई हैं।

प्रशासन को पूर्व में दी गई चेतावनी के तहत दर्जनों महिलाओ ने गुरुवार हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर विरोध प्रदर्शन किया। शराब की लत के कारण उजड़ रहे घरों को लेकर आक्रोशित महिलाएं जुलूस के रूप में एसडीएम कार्यालय पहुंची। जहा विरोध प्रदर्शन कर धरने पर बैठ गई। धरनार्थी महिलाओं का कहना है कि आबकारी विभाग ने नियमों को ताक में रखकर अनुसूचित जाति बाहुल्य कुटी इलाके में शराब की दुकान खुलवा रखी है। जिसका वे काफी समय से विरोध प्रदर्शन कर रही हैं।अनेकों बार धरना देकर रैली भी निकाल चुकी है। प्रशासन को ज्ञापन भी दिए जा चुके हे किंतु अभी तक शराब को अन्यत्र शिफ्ट नहीं किया है। जिसका ही परिणाम है कि इस इलाके में शराब का चलन बढ़ता ही जा रहा है। विशेषकर युवा बर्बाद हो रही है। इसके अलावा इस इलाके का मुख्य रास्ता कुटी फाटक से गुजरता है। फाटक पर शराब की दुकान पर अक्सर शराबी खड़े रहते है,जो महिलाओं पर फब्तियां करते हैं।

खाजूवाला : जाट धर्मशाला में दो दिवसीय वाक्पीठ का शुभारंभ

संस्था प्रधानों ने शिक्षा से जुड़ी समस्याओं एवं समाधान पर की चर्चा

बढ़ता राजस्थान

खाजूवाला (दलीप नोखवाल)। जाट धर्मशाला में गुरुवार को संस्था प्रधानों की दो दिवसीय वाक्पीठ शुरू हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ उपखंड अधिकारी पंकज गढ़वाल एवं जिला शिक्षा अधिकारी किशन दान चरण ने किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अमरजीत चावला, ईओ नगर पालिका खाजूवाला सोहनलाल नायक तथा सीबीईओ गंगाराम मीणा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत के साथ ही मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का वाक्पीठ कार्यकारिणी एवं संस्था प्रधानों द्वारा माल्यार्पण, साफा पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में जिला शिक्षा अधिकारी किशन दान चरण ने संस्था प्रधानों से विद्यालयों में उत्पन्न होने वाली विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान पर गंभीर चर्चा करने का आह्वान किया। इसके बाद आनंदगढ़ की व्याख्याता मोबिना ने मोबाइल का सदुपयोग एवं मोबाइल से होने वाले तनाव को कम करने विषय पर विस्तार से अपनी वार्ता प्रस्तुत की। दूसरे सत्र में प्रधानाचार्य लालचंद प्रजापत ने शिक्षा नीति 2020 पर प्रकाश डाला। वहीं प्रधानाचार्य नथाराम सात के.एल. डी. ने लाडो तथा अपनी बेटी योजना पर अपनी वार्ता दी। इसके अतिरिक्त संस्था प्रधान रामनिवास बगडिय़ा ने सूचना का अधिकार (क्रञ्जढ्ढ), धनराज डूडी ने विद्यार्थियों के हित में संचालित कल्याणकारी योजनाओं पर, जबकि प्रबोधक राजेंद्र प्रसाद आचार्य ने विद्यार्थियों के साथ घुलमिल कर शिक्षण कार्य करने की महत्ता पर अपने विचार रखे। वाक्पीठ के दौरान विभिन्न शिक्षा विशेषज्ञों और संस्था प्रधानों द्वारा विद्यालयों की समस्याओं एवं उनके समाधान पर सार्थक चर्चा की गई।

मुख्यमंत्री भजन लाल आज मालासेरी दौरे पर

गृहराज्य मंत्री बेढ़म ने की तैयारियों की समीक्षा

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। भादवी छठ पर्व के अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज शुक्रवार को भीलवाड़ा जिले के आसींद क्षेत्र स्थित अंतरराष्ट्रीय तीर्थस्थल भगवान श्रीदेवनारायण जन्मस्थली मालासेरी डूंगरी और श्री सवाई भोज मंदिर के दर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे से पूर्व बुधवार को गृहराज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बेढम ने मालासेरी डूंगरी पहुंचकर भगवान श्रीदेवनारायण एवं श्री सवाई भोज मंदिर में पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि यह स्थल न केवल गुर्जर समाज बल्कि पूरे प्रदेश की आस्था का केंद्र है। मुख्यमंत्री के आगमन पर किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहे, इसके लिए सभी विभाग पूरी जिम्मेदारी से कार्य करें।

गृहराज्य मंत्री ने हेलीपैड, यातायात और सुरक्षा प्रबंधों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ सकती है, ऐसे में सुरक्षा, यातायात व्यवस्था और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आज भगवान श्रीदेवनारायण और सवाई भोज के दर्शन करेंगे तथा समाजजनों से संवाद भी करेंगे। यह अवसर गुर्जर समाज और जिले के लिए गौरवपूर्ण होगा। हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा और अन्य सुविधाओं की तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस मौके पर देवनारायण बोर्ड अध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाना, जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू, आसींद विधायक जब्बर सिंह सांखला, पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह, अतिरिक्त जिला कलक्टर ओमप्रकाश, उपखंड अधिकारी परमजीत सिंह, तहसीलदार जय सिंह, पुलिस उपाधीक्षक ओमप्रकाश सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

संपादकीय

भारत की तैयारी, ट्रंप के टैरिफ का क्या है तोड़?

भारत के खिलाफ मोर्चा खोले अमेरिकी राष्ट्रपति के आर्थिक सलाहकार पीटर नवारो ने जिस तरह यह बेतुका आरोप उछाला कि यूक्रेन संघर्ष मोदी का युद्ध है, उससे भारतीय प्रधानमंत्री की वह आशंका ही रेखांकित होती है, जिसमें उन्होंने किसानों, मछुआरों आदि के हितों की रक्षा के लिए अडिग रहने की बात कहते हुए कहा था कि इनके हित के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से कीमत चुकानी पड़ेगी और वे इसके लिए तैयार हैं। क्या उनका आशय राजनीतिक नुकसान से था?

क्या इसका अंदेशा है कि ट्रंप प्रशासन मोदी को राजनीतिक रूप से कमजोर करने की कोशिश कर सकता है? पता नहीं ट्रंप के मन में क्या है, पर यह किसी से छिपा नहीं कि अमेरिका किस तरह दूसरे देशों में राजनीतिक हस्तक्षेप करता रहा है। ट्रंप इस कारण भारत से चिढ़ गए लगते हैं कि आपरेशन सिंदूर पर भारतीय प्रधानमंत्री ने उनके अहं को तुष्ट नहीं किया। यह भी हो सकता है कि आपरेशन सिंदूर के बाद उनके भारत विरोधी तेवरों से मोदी ने भी उनसे दूरी बनाना उचित समझा हो। जो भी हो, पीटर नवारो वही हैं, जिन्हें ट्रंप की टैरिफ नीति का जनक माना जाता है।

पीटर नवारो भारत के खिलाफ पहले भी बेजा बयान दे चुके हैं। उनका यह कथन उनकी भारत विरोधी मानसिकता का ही परिचायक है कि भारत के उच्च टैरिफ के कारण हमारी नौकरियां, कारखाने, आय और उच्च वेतन खत्म हो रहे हैं। उनका यह कहना तो नितांत हास्यास्पद है कि यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध के लिए भारत जिम्मेदार है। वास्तव में इसके लिए यूरोप और खुद अमेरिका जिम्मेदार है। इन देशों ने यूक्रेन को रूस के खिलाफ खड़ा करने की हरसंभव कोशिश के तहत जब उसे नाटो का सदस्य बनाने की कोशिश की, तब रूस ने आक्रामक रवैया अपनाया और अंततः उस पर हमला कर दिया। तथ्य यह भी है कि यूक्रेन को रूस से लड़ते रहने के लिए हथियार और आर्थिक सहायता यूरोप एवं अमेरिका ही उपलब्ध करा रहे हैं। इन स्थितियों में मोदी सरकार को ट्रंप प्रशासन से और सतर्क रहना होगा। इस सतर्कता के साथ ही उसे ट्रंप टैरिफ की चुनौती का सामना करने के लिए युद्धस्तर पर प्रयत्न करने होंगे। इसलिए करने होंगे, क्योंकि कई क्षेत्रों के निर्यातकों को नुकसान होने और कुछ नौकरियां जाने की आशंका निराधार नहीं। निर्यातकों और कामगारों को राहत देने के लिए सरकार को ठोस उपाय करने होंगे। यह उचित ही है कि सरकार ने 50 प्रतिशत अमेरिकी टैरिफ लागू हो जाने के बाद भारतीय वस्त्रों के लिए अनेक ऐसे देशों की पहचान की है, जिन्हें निर्यात बढ़ाया जा सकता है। यह भी समय की मांग है कि भारत अमेरिका के खिलाफ चीन से रिश्ते सामान्य करने के साथ ब्रिक्स का इस्तेमाल करे। ऐसा करते हुए भारत को चीन से सावधान भी रहना होगा।

राष्ट्रीय खेल दिवस 29 अगस्त पर विशेष

ध्यानचंद : हॉकी में फिरकी का जादूगर

हर्षवर्धन पान्डे

उनकी स्टिक में एक जादू परिलक्षित होता था। हाकी थामे जब वो ड्रिबलिंग करते थे तो अच्छे -अच्छे खिलाडियों के पसीने छूट जाते थे। आप कह सकते हैं हाकी के मैदान पर अपने तीसरे नेत्र द्वारा वो विपक्षी टीम के हर खिलाड़ी पर पैनी नजर रखते थे। उनका दिल और दिमाग हर समय हाकी के खेल में ही डूबा रहता था। सही मायने में उनके आसपास हाकी जैसे राष्ट्रीय खेल का औरा था। वे मैदान पर जब रहते थे तो खेल के हर दांव पर चीजों को साधते थे। वे लोग भाग्यशाली थे जिन्होनें महान हाकी जादूगर ध्यानचंद के खेल को बेहद करीब से देखा है। उनकी सबसे बड़ी देन यही है कि उन्होंने देश के हर खिलाड़ी को यह पाठ पढ़ाया कि आपकी परिस्थितियां आपको बड़ा बनने से रोक नहीं सकती अगर आप में खेल के प्रति जुनून है। किसी भी खिलाड़ी की महानता को आप उसके खेलों के प्रति समर्पण, जिद और जुनून से बखूबी नाप सकते हैं, उस हिसाब से तो मेजर ध्यानचंद महान खिलाड़ी थे। उन्हें हॉकी में फिरकी का जादूगर यूं ही नहीं कहा जाता था।

ध्यानचंद का जन्म उत्तरप्रदेश के इलाहबाद में 29 अगस्त 1905 को हुआ था। उनके पिता का नाम समेश्वर सिंह था जो ब्रिटिश इंडियन आर्मी में एक सूबेदार के रूप कार्यरत थे। हाकी का माहौल तो मानो पूरे परिवार में ही था। पिता को हाकी की स्टिक पकड़ा देखकर ध्यान ने भी हाकी की स्टिक थाम ली। यह वह दौर था जब ध्यानचंद के भाई मूल सिंह और रूप सिंह भी हाकी के हीरो के रूप में जाने जाने लगे। हॉकी के खेल में ध्यानचंद की प्रतिभा देखते ही बनती थी। उन्होंने सतत साधना, अ यास, लगन, संघर्ष और संकल्प के सहारे भारतीय हाकी को दुनिया में अपने आसरे न केवल नई पहचान दिलाई बल्कि दुनिया में भारत की हाकी की धमक अपने खेल के जरिये दिखाई। ध्यानचंद जब महज 14 बरस के थे, तब वह अपने पिता के साथ हॉकी मैच देखने के लिए गए। जहां उन्होंने एक टीम को 2 गोल से हारते हुए देखा। तभी चंद ने अपने पिता से पूछा कि वह हारने वाली टीम से कैसे खेल सकते हैं? उनके पिता ने कहा हाँ क्यों नहीं। उस मैच में ध्यान चंद ने 4 गोल किए। उनके प्रदर्शन को देखते हुए सेना के अधिकारी इतने प्रभावित हुए और उन्हें सेना में शामिल होने की पेशकश की। ध्यानचंद 16 साल की उम्र में फर्स्ट ब्राह्मण रेजिमेंट में एक साधारण सिपाही के रूप में भर्ती हुए लेकिन वे भारतीय सेना में मेजर के पद तक अपने खेल के जरिये पहुंचे। भारतीय सेना जॉइन करने के बाद उन्होंने हॉकी को अपना जीवन बना लिया किया।

ध्यानचंद बेहतरीन हाकी खेलते थे। इसके लिए वो दिन - रात पसीना बहाया करते थे। उस दौर में उनके रात के अ यास सत्र को चांद निकलने से जोडक़र देखा जाता था शायद यही वजह थी उनके साथी खिलाडिय़ों ने उन्हें 'चांद' नाम दे दिया। ध्यानचंद को फुटबॉल में पेले और क्रिकेट में ब्रैडमैन के समतुल्य माना जाता है। उनकी गेंद इस कदर उनकी स्टिक से चिपकी रहती कि प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी को अक्सर आशंका होती कि कहीं वो किसी जादुई स्टिक से तो नहीं खेल रहे हैं। ध्यानचंद की हॉकी स्टिक से जिस तरह गेंद चिपकी रहती थी उसे देख कर उनकी हॉकी स्टिक में गोंद लगे होने की बातें भी पूरी दुनिया में कही गई।

एक बार कुछ ऐसा हुआ कि नीदरलैंड में एक मैच के दौरान उनकी हॉकी स्टिक तोडक़र देखी गई। इस शक के साथ कहीं स्टिक में कोई चु बक तो नहीं लगी लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगा क्योंकि जादू हॉकी स्टिक में नहीं ध्यानचंद के बेजोड़ खेल और हाथों में था। एक बार ध्यानचंद ने शॉट मारा तो वह पोल पर जाकर लगा तो उन्होनें रेफरी से कहा की गोल पोस्ट की चौड़ाई कम है। जब गोलपोस्ट की चौड़ाई मापी गई तो सभी हैरान रह गए। वह वाकई कम थी। ध्यान चंद ने देश को स्वाभिमान से जीना भी सिखाया। उनकी कलाकारी से मोहित होकर ही जर्मनी के रुडोल्फ हिटलर सरीखे जिद्दी सम्राट ने उन्हें जर्मनी के लिए खेलने और जर्मन सेना में शामिल होने की पेशकश कर दी थी लेकिन ध्यानचंद ने हमेशा भारत के लिए खेलना ही सबसे बड़ा गौरव समझा और लेकिन उन्होंने भारत में ही रहना पसंद किया और मौके पर ही इस पेशकश को ठुकरा ही दिया।1936 में बर्लिन ओलंपिक में हिटलर के सामने ना सिर्फ जर्मनी की हॉकी टीम को 8-1 से पराजित किया, बल्कि उस दौर में दुनिया के सबसे बड़े तानाशाह हिटलर के सामने खड़े होकर तब उन्हें एक भारतीय होने का अहसास कराया, जब हिटलर से आंख मिलाना भी हर किसी के बस की बात नहीं होती थी। ध्यानचंद ने हिटलर की उस फरमाइश को खारिज कर दिया जिसमें हिटलर ने ध्यानचंद को भारत छोड़ कर्नल का पद लेकर जर्मनी में रहने को कहा था लेकिन ध्यानचंद उस वक्त भी अपने फटे जूते, स्टिक और लांस-नायक के अपने पद को बतौर भारतीय ज्यादा महत्व दिया। अपनी आत्मकथा 'गोल' में उन्होंने लिखा था आपको मालूम होना चाहिए कि मैं बेहद सरल और साधारण आदमी हूं। ध्यानचंद की हॉकी की जादूगरी के जितने किस्से हैं उतने शायद ही दुनिया के किसी अन्य खिलाड़ी के बाबत सुने गए हों।

ध्यानचंद का असली नाम ध्यान सिंह था जो नाम उनके कोच पंकज गुप्ता ने दिया था। उनकी हॉकी की कलाकारी देखकर हर हॉकी प्रेमी बिना वाह-वाह कहे बिना नहीं रह पाता था।प्रतिद्वंद्वी टीम के खिलाड़ी भी अपनी सुध - बुध खोकर उनकी स्टिक की कलाकारी को देखने में मशगूल हो जाते थे।1928 में ए सटर्डम में हुए ओलिंपिक खेलों में वह भारत की ओर से सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। उस टूनामेंट में ध्यानचंद ने 14 गोल किए। एक स्थानीय समाचार पत्र में लिखा था, 'यह हॉकी नहीं बल्कि जादू था और ध्यान चंद हॉकी के जादूगर हैं।' 1936 के बर्लिन ओलंपिक में उनके साथ खेले और बाद में पाकिस्तान के कप्तान बने आईएनएस दारा ने वर्ल्ड हॉकी मैगज़ीन के एक अंक में लिखा था, ध्यान के पास कभी भी तेज़ गति नहीं थी बल्कि वो धीमा ही दौड़ते थे. लेकिन उनके पास गैप को पहचानने की गज़ब की क्षमता थी। डी में घुसने के बाद वो इतनी तेज़ी और ताकत से शॉट लगाते थे कि दुनिया के बेहतरीन से बेहतरीन गोलकीपर के लिए भी कोई मौका नहीं रहता था।

अपने शानदार खेल से ध्यानचंद विपक्षी टीम की रक्षापंक्ति को छिन्न-भिन्न कर देते थे और दर्शकों को अपने बेहतरीन खेल से मंत्रमुग्ध कर देते थे।इस पर विरोधी टीम अक्सर का सेंटर-हाफ में अपना संतुलन खो बैठती थी। मुझे ध्यानचंद के बेटे अशोक का इंटरव्यू करने का सौभाग्य मिला है। ओलंपिक चैंपियन ध्यानचंद के बेटे अशोक ध्यानचंद ने मुझे एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि ध्यानचंद ड्रिब्लिंग के उस्ताद थे लेकिन उनकी असली प्रतिभा उनके दिमाग़ में थी। वो उस ढ़ंग से हॉकी के मैदान को देख सकते थे जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। उनको बिना देखे ही पता होता था कि मैदान के किस हिस्से में उनकी टीम के खिलाड़ी और प्रतिद्वंदी मूव कर रहे है।1947 के पूर्वी अ ीका के दौरे के दौरान उन्होंने केडी सिंह बाबू को गेंद पास करने के बाद अपने ही गोल की तरफ़ अपना मुंह मोड़ लिया और बाबू की तरफ़ देखा तक नहीं। जब उनसे बाद में उनकी इस अजीब सी हरकत का कारण पूछा गया तो उनका जवाब था, अगर उस पास पर भी बाबू गोल नहीं मार पाते तो उन्हें मेरी टीम में रहने का कोई हक़ नहीं था।

ध्यानचंद ने कई यादगार मैच खेले लेकिन 1933 में कलकत्ता कस्ट स और झांसी हीरोज के बीच खेला गया बिगटन क्लब फाइनल उनका सबसे ज्यादा पसंदीदा मुकाबला था।

देश की आज़ादी से पहले देश के बाहर देश का तिरंगा झंडा लेकर कोई श स गया था तो वह ध्यानचंद ही थे। ओलंपिक फाइनल में जर्मनी से भिडऩे से पहले बकायदा टीम के कोच पंकज गुप्ता, कप्तान ध्यानचंद के कहने पर कांग्रेस का झंडा हाथ में लेकर जर्मनी की टीम को पराजित करने की कसम खाई लेकिन भारत रत्न ध्यानचंद को देने को लेकर भारत में ही कभी सोचा भी नहीं गया। उनके मंझले बेटे अशोक कुमार सिंह हाकी के महानतम खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को देश का सर्वोच्च नागरिक स मान भारत रत्न मिलने के सवाल पर आज भी कहते हैं दादा का खेल पूरी दुनिया ने देखा है वो किस तरह के बेजोड़ खिलाड़ी थे। ओल पिक में भारतीय हाकी टीम के कांस्य पदक जीतने के बाद से यही आवाज लगातार उठ रही है कि ध्यानचंद को अब भारत रत्न देने में केंद्र सरकार को देरी नहीं करनी चाहिए। फिलहाल इसका जवाब उनके बेटे अशोक ध्यानचंद के पास भी नहीं है लेकिन जनभावनाओं और ध्यानचंद के हाकी के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें अभी भी उ मीद है कि सरकार देर -सबेर इस इस बारे में जरूर सोचेगी।

शहरी विस्तार के नए मानक:राजस्थान टाउनशिप नीति 2024

पारदर्शिता, जवाबदेही और टिकाऊ अधोसंरचना की दिशा में ऐतिहासिक पहल

डॉ. नयन प्रकाश गांधी
युवा मैनेजमेंट विश्लेषक एवं पब्लिक पॉलिसी एक्सपर्ट

राजस्थान टाउनशिप नीति 2024, राज्य के शहरों और कस्बों के लिए संतुलित, टिकाऊ और समावेशी शहरी विकास का ब्लूप्रिंट है। राजस्थान की भजनलाल सरकार ने नीति में प्रत्येक टाउनशिप में 7त्न भूमि पार्कों व खेल मैदानों के लिए, 8प्रतिशत शुल्क-सुविधा क्षेत्रों के लिए आरक्षित रखने का प्रावधान है। ईडब्ल्यूएस और एलआईजी वर्ग को किफायती आवास उपलब्ध कराने तथा औद्योगिक टाउनशिप में 5त्न भूमि श्रमिक आवास हेतु आरक्षित की गई है।

राजस्थान, देश का सबसे बड़ा राज्य, हाल के वर्षों में तेजी से शहरीकरण और आधुनिक जीवनशैली की ओर बढ़ा है। इसी संदर्भ में राज्य सरकार ने जुलाई 2024 में 'राजस्थान टाउनशिप नीति 2024' को लागू किया, जो प्रदेश के शहरों और कस्बों में सुनियोजित एवं सतत शहरी विकास सुनिश्चित करने के लिए एक मील का पत्थर है।

नीति का मुख्य उद्देश्य

इस नीति का लक्ष्य प्राकृतिक और मानव संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के साथ व्यवस्थित तरीके से नगरी विस्तार करना है। इसमें आधुनिक मूलभूत सुविधा, गरीब एवं श्रमिक वर्ग के लिए किफायती आवास, पर्यावरण संतुलन, तथा पारदर्शिता और गति से प्रोजेक्ट अप्रूवल का प्रावधान है। नीति का आरंभिक फोकस जयपुर, कोटा, उदयपुर, अजमेर जैसे शहरी केंद्रों के साथ-साथ नए सैटेलाइट टाउनशिप के विकास पर भी है।

मुख्य विशेषताएँ

प्रत्येक रेजिडेंशियल टाउनशिप में कुल भूमि का 7 प्रतिशत पार्क/प्लेयग्राउंड और 8प्रतिशत सार्वजनिक उपयोग के लिए आरक्षित रहेगा। 2.5प्रतिशत भूमि तब तक रिजर्व रहेगी जब तक रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन उसका नियंत्रण नहीं ले लेती या पाँच वर्षों तक।

- नीति के अनुसार ईडब्ल्यूएस और एलआईजी वर्ग के लिए भूमि का आवंटन स्थानीय नगरीय निकाय द्वारा किया जाएगा, जिससे समाज के कमजोर तबकों तक किफायती आवास पहुँच सके।
- ट्रांजिट-ओरिएंटेड एवं मिक्स्ड-यूज़ डेवलपमेंट, ग्रुप हाउसिंग, लैट सिस्टम, कमर्शियल ज़ोनिंग जैसे आधुनिक तत्वों को नीति में स मिलित किया गया है, जिससे नगरीय जीवन में विविधता और गतिशीलता आए।
- औद्योगिक टाउनशिप परियोजनाओं में 5त्न भूमि श्रमिक आवास हेतु आरक्षित है, जिससे श्रमिकों को घर और कार्यस्थल के बीच की दूरी कम हो सके और जीवन स्तर में सुधार हो।

विकास एवं पर्यावरणीय प्रावधान

प्रत्येक प्रोजेक्ट में रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, वेस्ट वॉटर रीसाइक्लिंग और ग्रीन स्पेस अनिवार्य किए गए हैं। इससे शहरीकरण के दबाव में भी पर्यावरणीय स्थायित्व तथा जल-स्रोतों का संरक्षण बनेगा।

सडक़ अवसंरचना एवं वाणिज्यिक विकास

नीति में जयपुर विकास प्राधिकरण की तर्ज पर सडक़ निर्माण और उसके किनारे वाणिज्यिक गतिविधियों की अनुमति दी गई है, जिससे शहरी यातायात,व्यापारिक गति और प्रोजेक्ट की समय पर पूर्णता सुनिश्चित होगी।

क्रियान्वयन व निगरानी

राज्य-स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त समिति बनाकर नीति के क्रियान्वयन,प्रगति, गुणवत्ता और उपभोक्ता हित संरक्षण की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, प्रोजेक्ट डेवलपर पर 2.5प्रतिशत भूमि रहन रखने एवं 5 वर्ष तक आवश्यक व्यवस्था बनाए रखने की अनिवार्यता है। टाउनशिप नीति 2024, राज्य में स्मार्ट, पारदर्शी नगरी विकास की दिशा में एक बड़ा कदम है।

आत्मनिर्भरता में सहायक नारी शक्ति, आधी आबादी के बिना अधूरी है पूरी व्यवस्था

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से एक बार फिर आत्मनिर्भर भारत की बात की। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर उन्होंने कहा, 'एक राष्ट्र के लिए आत्मसम्मान की सबसे बड़ी कसौटी आज भी उसकी आत्मनिर्भरता है। विकसित भारत का आधार भी है आत्मनिर्भर भारत। आत्मनिर्भरता का नाता हमारे सामर्थ्य से जुड़ा हुआ है और जब आत्मनिर्भरता खत्म होने लगती है, तो सामर्थ्य भी निरंतर क्षीण होता जाता है और इसलिए हमारे सामर्थ्य को बचाए, बनाए और बढ़ाए रखने के लिए आत्मनिर्भर होना बहुत अनिवार्य है।'

आत्मनिर्भरता भारत की संकल्पना ही नहीं, अपितु वह सत्य है, जो आत्मबल की कथा लिखती है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महिलाओं की भूमिका अपेक्षित ही नहीं, अपरिहार्य भी है। नारी शक्ति अब केवल एक विचार नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय अभियान बनना चाहिए। विगत एक दशक में महिलाएं केवल योजनाओं की लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सक्रिय भागीदार भी बन चुकी हैं। देश की आधी आबादी का सशक्तीकरण अब सामाजिक सुधार नहीं, बल्कि विकास की रणनीति बनने को है। आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 ने भारत में महिला श्रम भागीदारी दर में उल्लेखनीय वृद्धि को उजागर किया, जो विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि के कारण हुआ।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में मुद्रा योजना से बदलते आर्थिक परिदृश्य और महिलाओं के सशक्तीकरण में उसकी अहम भूमिका की चर्चा की। मुद्रा योजना के कुल लाभार्थियों में 68 प्रतिशत महिलाएं हैं, जो देश भर में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों को आगे बढ़ाने में इस योजना की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2016 और वित्त वर्ष 2025 के बीच प्रति महिला प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की वितरण राशि 13 प्रतिशत से बढ़कर 62,679 रुपये तक पहुंच गई, जबकि प्रति महिला वृद्धिशील जमा राशि वर्ष दर वर्ष 14 प्रतिशत बढ़कर 95,269 रुपये हो गई।

ऋण वितरण में महिलाओं की अत्यधिक हिस्सेदारी वाले राज्यों ने महिलाओं के नेतृत्व वाले एमएसएमई के माध्यम से काफी अधिक रोजगार सृजन किया है, जो महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण और श्रम बल भागीदारी को बढ़ाने में लक्षित वित्तीय समावेशन को मजबूत करता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार यह योजना महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को वित्त तक पहुंच प्रदान करने में सहायक रही है।

आत्मनिर्भर भारत की एक सुदृढ़ नींव के शिल्पकार 'महिला स्वयं सहायता समूह' भी हैं, जिनकी प्रधानमंत्री ने लाल किले से प्रशंसा करते हुए कहा, 'पिछले 10 साल में वूमेन सेल्फ हेल्प ग्रुप ने कमाल करके दिखाया है। आज उनके प्रोडक्ट दुनिया के बाजार में जाने लगे हैं।' स्वयं सहायता समूह आत्मनिर्भर भारत का नवीन कथानक लिख रहे हैं। 31 जनवरी, 2025 तक लगभग 10.05 करोड़ महिला परिवारों को 90.90 लाख स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) में शामिल किया गया है। स्वयं सहायता समूह आमतौर पर समान सामाजिक आर्थिक पृष्ठभूमि वाली 10-12 महिलाओं का एक समुदाय होता है।

एसएचजी से जुड़ी महिलाएं संयुक्त आर्थिक गतिविधियां शुरू करने के लिए अपने वित्तीय संसाधनों को एकत्रित करने या सदस्यों को छोटा व्यवसाय शुरू करने के लिए उचित ब्याज दर पर ऋण देने के लिए संगठन बनाती हैं। भारत के स्वयं सहायता समूहों को सामूहिक रूप से दुनिया की सबसे बड़ी माइक्रोफाइनेंस परियोजना माना जाता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार स्वयं सहायता समूह की बैंक पुनर्भुगतान दर 96 प्रतिशत से अधिक है, जो उनके ऋण अनुशासन और विश्वसनीयता को रेखांकित करती है।

शख्सियत : ओम प्रकाश मीणा (एसएचओ नारायणपुर)

नमस्कार दोस्तों हमारी आज की श सियत कॉलम के स्टार हैं राजस्थान पुलिस के शानदार सब इंस्पेक्टर ओमप्रकाश मीणा जो इस समय नारायणपुर थाना अधिकारी पद को सुशोभित कर रहे हैं। 5 जुलाई सन 1981 को जयपुर जिले के गांव सवाई जयसिंहपुरा में इनका जन्म हुआ पांचवी तक चौमू के पास एक गांव में अपने मामा के पास रहकर पढ़ाई की। पांचवी से दसवीं तक गांव से 3 किलोमीटर दूर देवगांव में पढ़ाई की जहां पैदल जाते थे। उसके बाद 12वीं तक बस्ती में पढ़ाई करी जो अपने गांव से लगभग 10 किलोमीटर दूर था इसके बाद जयपुर अग्रवाल कॉलेज से बीए किया और सबसे प्रथम नौकरी उनकी 2004 में त्रिवेंद्रम में रेलवे में लगी लेकिन रेलवे की नौकरी रास नहीं आई और सन 2006 में अजमेर से पुलिस कांस्टेबल के रूप में पुलिस बेड़े में शामिल हो गए । साढ़े आठ साल कांस्टेबल की नौकरी कर पुलिस का इकबाल बुलंद करते रहे और साथ ही पढाई भी करते रहे एम ए की राजनैतिक विज्ञान से।2011 में आरपीएससी से सब इंस्पेक्टर के एग्जाम दिए और 9 मार्च 2015 को सब इंस्पेक्टर बन गए। प्रोफेशनल पीरियड इनका अजमेर ही रहा 16 से 21 तक अजमेर पुलिस में सेवाएं दी किशनगढ़ थाने में सेकंड ऑफिसर के रूप में अराई थाने में थाना अधिकारी उसके बाद आर आई(संचित निरीक्षक) लगे किशनगढ़ पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में, सन 2022 में अजमेर से अलवर आए म और रेणी थाना अधिकारी रहे, कठूमर थाना अधिकारी रहे इसके बाद ट्रैफिक पुलिस की कमान संभाली और यातायात पुलिस थाने के प्रभारी रहे। उसके बाद अकबरपुर थाना अधिकारी रहे और हाल में नारायणपुर थाना अधिकारी के रूप में पद स्थापित है । गरीब लोगों की,असहाय लोगों की व पीड़ित लोगों की सेवा में हमेशा खड़े रहते हैं और पुलिस के स्लोगन आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय को परिपूर्ण कर रहे हैं । बहुत शानदार पुलिस अधिकारी हैं दैनिक बढ़ता राजस्थान की टीम उनके उज्जवल भविष्य व जल्दी ही कांधे पर तीन स्टार नजर आने की कामना करती है।

रूपक शर्मा

ब्रीफ खबरें

जुरहरा से खाटूधाम के लिए तृतीय डाक ध्वजायात्रा रविवार को रवाना होगी

बढ़ता राजस्थान | जुरहरा (नि.स.)। कस्बे के श्री खाटूश्याम मंदिर से 31 अगस्त रविवार को तृतीय डाक ध्वजायात्रा खाटूधाम के लिए रवाना होगी। यह यात्रा प्रेमपीठ तिजारा के पीठाधीश्वर श्रीकृष्ण मोहनाचार्य के सान्निध्य में प्रारंभ होगी और अगले दिन अलसुबह श्रीखाटूधाम पहुंचेगी, जहां ध्वजा पताका श्याम चरणों में समर्पित की जाएगी। श्री श्याम सखा मंडल जुरहरा के अध्यक्ष प्रमोद खंडेलवाल ने बताया कि रविवार सुबह खाटूश्याम मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद कस्बे में बैंड-बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद ध्वजायात्रा में शामिल श्याम प्रेमी पैदल ही खाटूधाम के लिए प्रस्थान करेंगे। रास्ते में दर्जनों स्थानों पर ध्वजायात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। श्रद्धालुओं में यात्रा को लेकर उत्साह का माहौल है।

भैंस बरामद करने की एवज में थानेदार ने महिला से किया दुष्कर्म, निलंबित

बढ़ता राजस्थान | बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखंड के सदर थाना प्रभारी पर एक महिला ने दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया है। शिकायत के बाद आरोपी थानेदार को निलंबित कर लाइन हाजिर कर दिया गया है। पीड़िता ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उसकी भैंस करीब एक वर्ष पहले चोरी हो गई थी। इस संबंध में उसने सदर थाने में मामला दर्ज कराया था और थाना प्रभारी विनोद कुमार से भैंस बरामद करने की गुहार लगाई थी। आरोप है कि विनोद कुमार ने उसे अपने सरकारी क्वार्टर पर बुलाकर शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया और कई दिनों तक दुष्कर्म करता रहा। इस दौरान उसने भैंस तो पीड़िता को दिला दी, लेकिन चोरों की गिरफ्तारी नहीं की। पीड़िता ने बताया कि कुछ समय पहले उसकी भैंस दोबारा चोरी हो गई। मामले की जानकारी देने पर थानेदार फिर से उसे क्वार्टर बुलाने लगा। जब महिला ने इसकी शिकायत पुलिस के उच्च अधिकारियों से की, तो आरोपी ने उसके पति को झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। महिला की शिकायत पर एसपी विकास सांगवान ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी थानाधिकारी पर मामला दर्ज कराया और उसे लाइन हाजिर कर दिया। मामले की जांच महिला थाना प्रभारी छवि फौजदार को सौंपी गई है। भरतपुर रेंज आईजी कैलाशचंद बिश्नोई ने भी प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी विनोद कुमार को तत्काल निलंबित कर करौली मुख्यालय भेज दिया। वहीं पीड़िता का जिला अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया गया है। जांच अधिकारी ने कहा है कि पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी केस और मारपीट मामले में एसएचओ-एएसआई दोषी,

बढ़ता राजस्थान | बाड़ी (राजू शर्मा)। एसीजेएम फर्स्ट कोर्ट ने दस साल पुराने मामले में फैसला सुनाते हुए तत्कालीन एसएचओ बाबूलाल मुरारिया और एएसआई हरवीर सिंह को दोषी ठहराया है। अदालत ने दोनों अधिकारियों को पीड़ित पक्ष को 2 लाख रुपये क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है। मामला अक्टूबर 2015 का है। मलकपाड़ा निवासी दिनेश, उनके बेटे गौरव और मनीष वैश्य मोहल्ले में हुए झगड़े की रिपोर्ट दर्ज कराने कोतवाली थाने पहुंचे थे। लेकिन पुलिस ने उनकी रिपोर्ट दर्ज करने के बजाय उन्हें थाने में बिठा लिया। आरोप है कि पुलिस ने न केवल उनके साथ मारपीट की, बल्कि लॉकअप में भी बंद कर दिया। बाद में उन पर शांतिभंग का फर्जी केस बनाकर छोड़ दिया गया। पीड़ित पक्ष ने जब प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत की, तो पुलिस ने उल्टा उनके खिलाफ ही झूठा मामला दर्ज कर दिया। इसके बाद पीड़ितों ने अधिवक्ता रामनिवास मित्तल के माध्यम से एसीजेएम कोर्ट में मानहानि और क्षतिपूर्ति का दावा दायर किया। वरिष्ठ अधिवक्ता रामनिवास मित्तल ने बताया कि एसीजेएम डॉ. सिद्धार्थ शंकर शर्मा ने मामले की विस्तृत सुनवाई के बाद पुलिस अधिकारियों को दोषी मानते हुए पीड़ितों को 2 लाख रुपये क्षतिपूर्ति देने का आदेश दिया है।

बस स्टैंड की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान | बसेड़ी (राजू शर्मा)। कस्बे में बस स्टैंड नहीं होने से आमजन को हो रही परेशानी को लेकर क्षेत्रवासियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के दौरान रामबली शर्मा ने बताया कि बसेड़ी क्षेत्र में अब तक बस स्टैंड नहीं बनाया गया है। ऐसे में रोडवेज बसों के खड़े होने के लिए जगह तक उपलब्ध नहीं है। वर्तमान में बसें जगनेर रोड पर खड़ी होती हैं और वहीं से यात्रियों को बैठाया जाता है। इससे न केवल यात्री असुविधा झेलते हैं बल्कि बसों को सड़क पर ही बैक करने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। लोकेश पाराशर ने कहा कि यात्रियों को सर्दी, गर्मी और बारिश जैसे मौसम में खुले में ही बसों का इंतजार करना पड़ता है, जिससे उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

श्री हरिदत्त डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर संगोष्ठी

बढ़ता राजस्थान

भरतपुर (यतेन्द्र पाण्डेय्)। श्री हरिदत्त डिग्री कॉलेज में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020- समीक्षात्मक विश्लेषण विषय पर एकदिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कॉलेज के सेमिनार हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, मंगलाचरण एवं सरस्वती वंदना से हुआ। संगोष्ठी दो तकनीकी सत्रों में आयोजित हुई। पहले सत्र की अध्यक्षता कॉलेज निदेशक डॉ. आलोक शर्मा ने तथा दूसरे सत्र की अध्यक्षता

भारतीय शिक्षक संघ के सह संयोजक डॉ. अनिल कुमार भारद्वाज ने की। मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. सुरेन्द्र सिंह सिनसिनवार (डीन, शिक्षा संकाय, महाराजा सूरजमल ब्रज विश्वविद्यालय) ने प्राथमिक शिक्षा में मातृभाषा का महत्व, शिक्षक प्रशिक्षण, ऑनलाइन शिक्षण और वर्चुअल स्किल डेवलपमेंट जैसे बिंदुओं पर विस्तृत व्याख्यान दिया। डॉ. राजेश सिंह (महासचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक संगठन एवं वरिष्ठ प्राध्यापक, एमएसजे कॉलेज) ने शिक्षा नीति के अंतर्गत विषय चयन की स्वतंत्रता और शोध कार्य की प्रासंगिकता पर अपने विचार रखे। एमएसजे कॉलेज भरतपुर के प्राचार्य डॉ. रमेश चंद्र मिश्र ने कहा कि शिक्षक केवल छात्रों तक सीमित न रहकर समाज में भी अच्छे शिक्षक तैयार करने की दिशा में प्रेरित करें।

संगोष्ठी में विभिन्न विषय विशेषज्ञों ने शोधपत्र प्रस्तुत किए, जिनमें डॉ. सत्यम शर्मा, डॉ. उर्मिला मेघवाल, डॉ. जितेंद्र, डॉ. रेनू, मीरा शर्मा, हेमंत सिंह, अशोक सिंह, रमेश मोहन, जगदीश, जगतपाल, गणेश, साक्षी प्रत्यूष, डॉ. फौजदार, डॉ. गोविंद, प्रियंका शर्मा, सुनिता लोधा, बनवारीलाल नागर आदि शामिल रहे।

संगोष्ठी का सफल संचालन आईक्यूएसी कोऑर्डिनेटर डॉ. नीरज सिंह ने किया। उन्होंने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करती है और उच्च शिक्षा संस्थानों को इसके प्रभावी क्रियान्वयन के लिए गंभीर प्रयास करने होंगे।

एडीजी बनकर घूम रहे युवक को पकड़ाः नीली बत्ती और 3 स्टार लगे

पुलिस ने रोका तो रौब झाड़ने लगा

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। धौलपुर में बुधवार को फर्जी एडीजी बनकर घूम रहे युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसकी कार पर नीली बत्ती और तीन स्टार लगे हुए थे। गाड़ी पर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया भी लिखा था। वह वर्दी में गाड़ी चला रहा था। यह देखकर नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने गाड़ी रुकवाई तो आरोपी ने रौब जमाना शुरू कर दिया। झूठ सामने आने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी से पांच नकली आइडेंटिटी कार्ड, चार डमी हथियार और कारतूस बरामद हुए हैं। आरोपी पश्चिम बंगाल के हुबली में चंदन नगर का रहने वाला है। वह पंजाब जा रहा था। गिरफ्तारी के समय उसकी पत्नी भी गाड़ी में मौजूद थी।

डमी हथियार भी बरामद

आरोपी से कार, एक एयर साउंड पिस्टल, एक एयर साउंड रिवॉल्वर, एयर साउंड गन और दो एयर साउंड राइफल बरामद की गई हैं। आरोपी के पास से एयर गन के 138 पैलेट कारतूस, दो मोबाइल, दो लैपटॉप, एक टैबलेट को भी जब्त किया गया है।

टोल टैक्स बचाने व रौब जमाने के लिए बना था अधिकारी

पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह टोल टैक्स बचाने और पुलिस पर रौब जमाने के लिए वर्दी व आई कार्ड का इस्तेमाल करता है। ताकि उसे रास्ते में किसी भी तरह की परेशानी न आए। वह अपने घर से पंजाब की ओर निकला था।

अलग-अलग वर्दी में फोटो और चार आई कार्ड मिले

आरोपी के मोबाइल में अलग-अलग तरह की यूनिफॉर्म में फोटो के साथ चार आई कार्ड मिले हैं। ये आई कार्ड इंटरनेशनल पुलिस ऑर्गेनाइजेशन, यूरो पुलिस फेडरेशन यूरोपीय ऑग्जीलियरी पुलिस संगठन और सेंटर ऑफ नेशनल सिक्योरिटी के हैं।

आरोपी 10 साल में चौथी बार गिरफ्तार

सीओ सिटी मुनेश कुमार मीणा ने बताया- आरोपी के खिलाफ फर्जी अधिकारी बनकर लोगों को ठगने के तीन मामले पश्चिम बंगाल और मुंबई में दर्ज हैं। चौथा मामला धौलपुर में सदर थाने में दर्ज हुआ है।

गाड़ी पर लिखा था गवर्नमेंट ऑफ इंडिया

सीओ सिटी मुनेश कुमार मीणा ने बताया- नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध गाड़ी निहालगंज को क्रॉस करके निकली। गाड़ी पर तीन स्टार लगे थे और एक वर्दीधारी व्यक्ति उसे चला रहा था। संदेह होने पर पुलिस कंट्रोल रूम को सूचित किया गया। इस पर सदर थाने के चेकिंग पॉइंट पर गाड़ी को रोका गया। पुलिस ने गाड़ी रुकवाई तो आरोपी ने रौब जमाना शुरू कर दिया। पूछताछ में उसने खुद को नेशनल सिक्योरिटी कॉप का एडीजी बताया और चार अलग-अलग आई कार्ड दिखाए। इससे पुलिस को और अधिक संदेह हुआ। जांच में आरोपी का पूरा झूठ सामने आ गया। आरोपी सुप्रीयो मुखर्जी (45) ने अपनी अर्टिगा मारुति सुजुकी पर गवर्नमेंट ऑफ इंडिया लिखवाकर तीन स्टार लगा रखे थे।

जनहित कार्य हों समयबद्ध, अंतिम छोर तक पहुँचे योजनाओं का लाभ

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। जिला कलक्टर अरुण कुमार हसीजा की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडीएम नरेश बुनकर सहित सभी उपखंड अधिकारी, तहसीलदार एवं राजस्व विभाग के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में राजस्व अर्जन, म्यूटेशन एवं ऑटो म्यूटेशन, सीमाज्ञान, गिरदावरी, खसरा-खाता संबंधी सूचनाओं, पीडी व एफडी प्रकरणों सहित विभिन्न बिंदुओं की विस्तृत समीक्षा की गई। लक्टर ने राजस्व न्यायालयीन मामलों के शीघ्र निस्तारण पर जोर देते हुए अतिक्रमण, भूमि अवाप्ति, सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमि आवंटन एवं भूमि परिवर्तन से जुड़े लंबित प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक सरकारी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो तथा उसका लाभ अंतिम छोर तक बैठे जरूरतमंद तक पहुँचे। साथ ही राजस्व कार्यों में पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता बनाए रखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही से बचने के निर्देश दिए।

शिकायतों का त्वरित निपटारा आवश्यक

कलक्टर हसीजा ने संपर्क पोर्टल पर लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे हों, ताकि आमजन को समय पर राहत और सुविधाएं मिल सकें।

18 साल बाद लौटेंगी जादूगर आंचल, 29 अगस्त से शुरू होगा भव्य जादुई शो

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (मोहम्मद नज़ीर कादरी)। अजमेर में 18 वर्ष बाद जादूगर आंचल अपने जादुई करतबों के साथ लौट रही हैं। राष्ट्रीय बाल पुरस्कार से सम्मानित, लिम्का बुक और वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज कराने वाली उदयपुर की अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त आंचल 29 अगस्त से वैशाली नगर स्थित द टर्निंग प्वाइंट पब्लिक स्कूल में शो प्रस्तुत करेंगी। यह आयोजन लगभग एक माह तक चलेगा। आंचल ने बीते 27 वर्षों में भारत के 17 राज्यों और कई विदेशी मंचों पर 15,000 से अधिक प्रस्तुतियां देकर लाखों दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है। उनकी प्रस्तुतियां बच्चों, महिलाओं और पुरुषों — सभी के लिए समान रूप से आकर्षक होती हैं। शो का समय सोमवार से शुक्रवार शाम 7:30 बजे रहेगा। शनिवार और रविवार को दिन में 1:00 बजे, शाम 4:00 बजे और रात 7:30 बजे शो होंगे। टिकट की अग्रिम बुकिंग कार्यक्रम स्थल पर सुबह 10 बजे से उपलब्ध होगी। इसके अलावा ऑनलाइन टिकट बुकिंग की सुविधा बुकमायशो पर भी मिलेगी। आंचल भारत की पहली महिला जादूगर हैं जिन्होंने अमेरिका के सीडब्ल्यू नेटवर्क पर प्रसारित विश्व प्रसिद्ध शो पेन एंड टेलरः फूल यूएस में हिस्सा लिया। अमेरिकी पत्रिका वेनिस ने उन्हें कवर पेज पर स्थान दिया और उनकी जीवनी को 8 पन्नों में प्रकाशित किया।

विज्ञापन, फोन बुकिंग, ग्रुप बुकिंग और अन्य जानकारी के लिए 9928077076 पर संपर्क किया जा सकता है। अजमेरवासियों के लिए यह शो न केवल मनोरंजन का अवसर होगा बल्कि आंचल की प्रेरणादायक यात्रा को करीब से जानने का मौका भी प्रदान करेगा।

रामनरेश शर्मा ने शहीद समिति उपाध्यक्ष और ब्राह्मण समाज अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

बढ़ता राजस्थान

तसीमों (राजू शर्मा)। शहीद छत्तर सिंह पंचम सिंह सेवा समिति तसीमों के उपाध्यक्ष और ब्राह्मण समाज तसीमों के अध्यक्ष रामनरेश शर्मा ने अपने दोनों पदों से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि वे अब संरक्षक के रूप में दोनों संगठनों से जुड़े रहकर समाजहित में कार्य करते रहेंगे। इस्तीफा देते हुए रामनरेश शर्मा ने कहा कि शहीद समिति तसीमों केवल एक संगठन नहीं बल्कि समाजहित के लिए वरदान है। उन्होंने कहा, मैं शहीद समिति उपाध्यक्ष और सनाढ्य ब्राह्मण महासभा तसीमों अध्यक्ष पद से इस्तीफा देता हूं। ये दोनों ही संगठन मेरी आत्मा हैं, जिनसे मैं कभी दूर नहीं हो सकता। आज से मैं संरक्षक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी निभाऊंगा और युवाओं से आह्वान करता हूं कि वे आगे आएं और इन महत्वपूर्ण पदों को संभालकर संगठन को नई दिशा दें। शहीद समिति के संस्थापक रामौतार फौजी और अध्यक्ष मांगीलाल मित्तल ने कहा कि रामनरेश शर्मा ने समाजहित में अपने 15 बहुमूल्य वर्ष संगठन को दिए हैं। समिति उनके योगदान के लिए सदैव आभारी रहेगी और संरक्षक के रूप में उनसे आगे भी मार्गदर्शन प्राप्त करती रहेगी।

मांगीलाल मित्तल ने यह भी बताया कि शीघ्र ही समिति के चुनाव कराए जाएंगे, जिनमें उपाध्यक्ष सहित अन्य रिक्त पदों पर निर्वाचन होगा, ताकि संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जा सके।

'गिव अप अभियान' प्रदेश में 27 लाख, राजसमंद में 53 हजार अपात्रों ने छोड़ी खाद्य सब्सिडी

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मार्गदर्शन में संचालित गिव अप अभियान को प्रदेशभर में व्यापक सफलता मिल रही है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि गत वर्ष 1 नवंबर से शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य सक्षम व्यक्तियों को स्वेच्छा से खाद्य सब्सिडी छोड़ने के लिए प्रेरित करना है, ताकि गरीब और जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि अब तक प्रदेश में 27 लाख से अधिक सक्षम लाभार्थियों ने खाद्य सब्सिडी छोड़ी है। इसके परिणामस्वरूप 56.62 लाख पात्र वंचित परिवारों को खाद्य सुरक्षा सूची में जोड़ा गया है। सक्षम लोगों के इस त्याग से जरूरतमंदों को पोषणयुक्त अन्न, 25 लाख रुपये तक का निःशुल्क इलाज, 10 लाख रुपये तक का दुर्घटना बीमा तथा मात्र 450 रुपये वार्षिक पर 12 गैस सिलेंडर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं। मंत्री गोदारा ने बताया कि व्यापक जनभागीदारी को देखते हुए अभियान की अवधि 31 अगस्त 2025 तक बढ़ाई गई है। जिन परिवारों में कोई सदस्य आयकरदाता है, सरकारी/अर्द्धसरकारी सेवा में है, वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक है या फिर चार पहिया वाहन (ट्रैक्टर को छोड़कर) है, उन्हें अपात्र सूची में शामिल किया गया है।

राजसमंद का योगदान

जिला रसद अधिकारी विजय सिंह ने बताया कि जिले में अब तक 53,575 लोगों ने स्वेच्छा से खाद्य सब्सिडी छोड़ी है। इससे 6,574 जरूरतमंद परिवारों को खाद्य सुरक्षा का लाभ मिला है। उन्होंने इस अभियान की सफलता का श्रेय जिला प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और जागरूक नागरिकों को दिया। उन्होंने इसे सामाजिक जिम्मेदारी और जन-जागरूकता का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए सहयोगी नागरिकों का आभार व्यक्त किया और आगे भी ऐसी पहलों में अधिकाधिक भागीदारी की अपील की।

बनास नदी हादसा : आशा सहयोगिनी का शव 24 घंटे बाद मिला, पति सुरक्षित

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। जिले में बुधवार सुबह बनास नदी में बह गई आशा सहयोगिनी का शव गुरुवार सुबह करीब 24 घंटे बाद बरामद हुआ। मृतका की पहचान राज्यावास निवासी निर्मला कंवर (55) पत्नी विजय सिंह रावल के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार निर्मला कंवर राज्यावास आंगनबाड़ी केंद्र पर आशा सहयोगिनी के पद पर कार्यरत थीं। वह मंगलवार को मोही पीएचसी में आयोजित बैठक में शामिल हुईं और बुधवार को सर्वे रिपोर्ट जमा कराने के बाद पति के साथ घर लौट रही थीं। सुबह लगभग साढ़े दस बजे दंपती बाइक से मोही की पुलिया पार कर रहे थे, तभी पानी के तेज बहाव के बीच बाइक गड्ढे में फंसकर अनियंत्रित हो गई। हादसे में पति विजय सिंह तो सुरक्षित बाहर निकल आए, लेकिन निर्मला कंवर नदी के तेज बहाव में बह गईं। सूचना पर एसडीआरएफ और स्थानीय गोताखोरों ने तुरंत रेस्क्यू अभियान शुरू किया, लेकिन बुधवार देर रात तक महिला का कोई पता नहीं चला। गुरुवार सुबह फिर से तलाशी अभियान चलाया गया और करीब 11:30 बजे पीपली गांव के पास नदी किनारे झाड़ियों में महिला का शव मिला। पुलिस के अनुसार, हाल ही में हुई बारिश के बाद नंदसमंद बांध के चार गेट तीन फीट तक खोले गए थे, जिससे बनास नदी में पानी का बहाव काफी तेज हो गया। इसी कारण रेस्क्यू टीम को भी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। रेस्क्यू के दौरान कांकरोली थाना इंचार्ज हंसराम, हेड कॉन्स्टेबल उमा, कॉन्स्टेबल यशवंत राम सहित पुलिस जाब्ता मौके पर मौजूद रहा।

मुख्यमंत्री ने की खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा

आमजन में आयोजन के व्यापक संदेश के लिए करें नवाचार : सीएम

बढ़ता राजस्थान

जयपुर. मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पहली बार खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मेजबानी करने जा रहा है। इस खेल आयोजन से प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने का अवसर मिलेगा तथा यह आयोजन खेल के क्षेत्र में राजस्थान को नई पहचान भी दिलाएगा। ऐसे में इन गेम्स का भव्य एवं सफल आयोजन सुनिश्चित किया जाए ताकि यह पूरे देशभर में मिसाल बन सके। श्री शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि इन खेल आयोजन में प्रदेश के संभाग मुख्यालयों पर गेम्स आयोजित करने के प्रयास किए जाए एवं ज्यादा से ज्यादा लोगों की सहभागिता तथा प्रदेश के युवाओं का जुड़ाव सुनिश्चित किया जाए।

मुख्य आयोजन से पूर्व गतिविधियां हो आयोजित :मुख्यमंत्री ने कहा कि इस खेल आयोजन के प्रति लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए नवाचारों को अपनाया जाए। इसके लिए मुख्य आयोजन से पहले पूर्व गतिविधियों के रूप में मैराथन सहित स्कूल-कॉलेज में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाए ताकि प्रदेशभर में खेलों के प्रति जागरूकता का संदेश जाए। साथ ही, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के आयोजन की सहगतिविधियों को राजस्थान की समृद्ध संस्कृति से जोड़ा जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों एवं अतिथियों के लिए आवास व्यवस्था, दर्शकों की बैठक व्यवस्था एवं खेलों के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता की पूर्ण व्यवस्था के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने आयोजन स्थल पर साफ-सफाई, सौन्दर्यकरण एवं अन्य सभी मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया। इस अवसर पर युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अधिक संख्या में लगाएं चैक मीटर : ऊर्जा मंत्री

स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन की समीक्षा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर. ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हीरालाल नागर ने गुरूवार को विद्युत भवन में स्मार्ट मीटर इंस्टॉलेशन की उच्च स्तरीय समीक्षा की। उन्होंने प्रदेश में एडवांस्ड मीटरिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर सर्विस प्रोवाइडर (एएमआईएसपी) के प्रतिनिधियों को कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए। ऊर्जा मंत्री ने निर्देश दिए कि अधिक संख्या में चैक मीटर लगाए जाएं, जिससे कि उपभोक्ताओं में स्मार्ट मीटर के प्रति किसी भी प्रकार की भ्रांति न रहे। श्री नागर ने कहा कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के बिजली उपभोग को पारदर्शी तथा सटीक एवं बिलिंग को मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त करने की दिशा में बेहतर हैं। ऐसे में स्मार्ट मीटर के फायदों की जानकारी अधिकाधिक उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए एएमआईएसपी द्वारा आईईसी गतिविधियों पर जोर दिया जाए।

बैक लॉग को करें दूर, वर्ष 2020-21 से हुई शुरूआत :

श्री नागर ने कहा कि प्रदेश में वर्ष 2020-21 से स्मार्ट मीटर लगाने की शुरूआत की गई थी। पूर्ववर्ती सरकार के समय 5 लाख 52 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए गए थे। वर्तमान में आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत कृषि को छोड़कर अन्य 1 करोड़ 43 लाख से अधिक विद्युत उपभोक्ताओं के यह मीटर लगाए जा रहे हैं। अप्रेल 2025 से तीनों डिस्कॉम में अब तक 5 लाख 60 हजार से अधिक स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। उन्होंने एएमआईएसपी को कार्यादेश की शर्तों के अनुरूप प्रगति लाने के निर्देश दिए और कहा कि कार्य में गति लाने में विभाग से नियमानुसार आवश्यक सहयोग दिया जाएगा। साथ ही, आगामी एक माह में पुनः समीक्षा बैठक रखने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख शासन सचिव ऊर्जा श्री अजिताभ शर्मा ने फील्ड में टीमों की संख्या बढ़ाने, उपभोक्ता जागरूकता गतिविधियों के प्रसार, लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रभावी एक्शन प्लान तैयार करने के निर्देश दिए।

आरजीएचएस में विकसित होगा फुल प्रूफ सिस्टम

350 अस्पतालों ने जारी रखीं सेवाएं 38 हजार रोगियों को मिला उपचार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर. चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा है कि राज्य सरकार राजस्थान गवर्नमेंट हैल्थ स्कीम के सुचारू संचालन के लिए प्रतिबद्ध है। रोगियों को योजना का लाभ लेने में किसी तरह की बाधा नहीं आए, इस दिशा में हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजना में जरूरी बदलाव कर इसे बेहतर बनाया जाए, ताकि लाभार्थियों को सुगमता से उपचार मिले। इसके लिए फुल प्रूफ सिस्टम विकसित किया जा रहा है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि गुरूवार को भी प्रदेश के ज्यादातर निजी अस्पतालों में आरजीएचएस योजना के तहत सुचारू रूप से उपचार मिला। उन्होंने बताया कि करीब 350 अस्पतालों में ओपीडी, डे केयर एवं आईपीडी में रोगियों ने उपचार प्राप्त किया। प्रदेश में निजी मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध सभी अस्पतालों में आरजीएचएस योजना के तहत उपचार मिल रहा है। श्रीमती राठौड़ ने कहा कि निजी अस्पतालों के साथ—साथ राजकीय चिकित्सा संस्थानों में भी योजना के तहत उपचार के लिए सभी माकूल इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि जहां भी निजी अस्पतालों में उपचार बंद हों, वहां राजकीय चिकित्सा संस्थानों में रोगी सुगमता से उपचार प्राप्त कर सकें। विगत 4 दिवस में करीब 38 हजार रोगियों ने आरजीएचएस योजना के तहत उपचार प्राप्त किया है। राजस्थान स्टेट हैल्थ एश्योरेंस एजेंसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हरजीलाल अटल ने बताया कि जिन अस्पतालों ने उपचार बंद कर रखा है, उनके प्रतिनिधियों के साथ निरंतर संवाद जारी है। हमारा प्रयास है कि सभी अस्पताल योजना के तहत सेवाएं उपलब्ध करवाएं। निजी अस्पतालों व सभी हितधारकों से चर्चा कर योजना में जरूरी बदलाव किए जा रहे हैं।

राजीविका एवं वी. शक्ति ट्रस्ट दिल्ली के मध्य एक "गैर वित्तीय" समझौते पत्र पर हस्ताक्षर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, 28 अगस्त। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) एवं वी. शक्ति ट्रस्ट दिल्ली के मध्य गुरुवार को एक "गैर वित्तीय" समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते ज्ञापन को श्रीमती नेहा गिरी राज्य मिशन निदेशक राजीविका एवं श्रीमती प्रज्ञा यादव "फाउंडर एवं ट्रस्टी-वी शक्ति फाउंडेशन" द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। श्रीमती नेहा गिरी ने बताया कि इस समझौते का मुख्य उद्देश्य स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों, शिल्पकारों और लघु व्यवसायियों को उनके उत्पादों और कौशल को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना है। स्थानीय संसाधनों को ध्यान में रखते हुए उनकी आय को बढ़ाना, वित्तीय स्वतंत्रता की आपसी समझ तैयार करना। इसके साथ ही महिलाओं के खिलाफ हिंसा को रोकते हुए लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता फैलाकर उन्हें सशक्त बनाने के समन्वित प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि राजीविका का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र की गरीब महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), ग्राम संगठनों (वीओ) और क्लस्टर स्तरीय संघों (सीएलएफ) में संगठित करके उनको विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से प्रत्येक गरीब परिवार के लिए विविध रूप से आजीविकाओं को बढ़ावा देना है। गरीब एवं वंचित वर्ग की आय को बढ़ाने के लिए कृषि और गैर-कृषि क्षेत्रों में लघु और सूक्ष्म उद्यमों को बढ़ावा दिया जाना है। राजीविका विभिन्न मार्ट एवं आउट लेट्स के माध्यम से निर्मित उत्पादों की बिक्री, सरकारी खरीद, ऑनलाइन बिक्री, निर्यात संवर्धन और सेवा क्षेत्र में अवसरों के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा दे रहा है। वी शक्ति ट्रस्ट एक सार्वजनिक ट्रस्ट है, जो महिलाओं को कौशल एवं उनके संसाधनो को विकसित कर उनको प्रशिक्षण प्रदान करके उनमें आत्मविश्वास को बढ़ाता है, साथ ही महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता के साथ आत्मनिर्भरता को भी बढ़ावा देता है। समावेशी अवसरों का सृजन करके सतत विकास को गति देता है जिससे महिलाएं अपने जीवन में बदलाव ला सकें, अपने समुदायों का उत्थान कर सकें एवं नवीन कार्यों के माध्यम से सृजन कर समतापूर्ण भविष्य में योगदान दे सकें। महिलाओं को उनकी आजीविका के लिए ऐसे अवसर प्रदान करना है जो संभावनाओं को साकार कर निरंतर एवं स्थाई आजीविका प्रदान करने में सहायक हो। राजीविका और वी शक्ति ट्रस्ट, सर्व प्रथम राजस्थान के अलवर जिले के ग्रामीण क्षेत्र में ध्यान केंद्रित करते हुए, ग्रामीण उद्यमिता, क्षमता निर्माण और लैंगिक समानता पर मजबूती से कार्य एवं सहयोग करने पर सहमत हुए हैं। इस अनुबंध का समग्र उद्देश्य अलवर में अपनी गतिविधियों की शुरुआत करके धीरे-धीरे पूरे राजस्थान में विस्तार करके महिलाओं के जीवन में समग्र विकास और सार्थक बदलाव लाने, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण सुनिश्चित करने के सरकारी प्रयासों को गति प्रदान करना है। यह समझौता पूर्ण रूप से गैर वित्तीय होगा। जिसमें स्वयं सहायता समूह सदस्यों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर क्षमता निर्माण कार्यशालाओं के लिए तकनीकी सहायता प्रदान कर विभिन्न क्षेत्रों में नए कौशल, पुनः कौशल विकास और कौशल उन्नयन कर छोटे व्यवसाय शुरू किये जा सकेंगे।

आयोग ने जारी किया प्राध्यापक-कृषि के पदों पर भर्ती का विज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर. राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा माध्यमिक शिक्षा विभाग हेतु प्राध्यापक-कृषि (स्कूल शिक्षा) के 500 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है। पदों का वर्गवार वर्गीकरण पृथक से शीघ्र जारी कर दिया जाएगा। शैक्षणिक योग्यता, आवेदन प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचनाऐं आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

परिणाम जारी होने के 15 दिनों के भीतर आयोग कार्यालय में जमा करवाना अनिवार्य है

सहायक आचार्य भर्ती- 2024 : 'एंडोक्राइनोलॉजी एवं पीडियाट्रिक हेपेटोलॉजी रू साक्षात्कार के लिए सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर. राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा गुरुवार को सहायक आचार्य (चिकित्सा शिक्षा विभाग) भर्ती-2024 के अंतर्गत सुपर स्पेशलिटी - एंडोक्राइनोलॉजी और पीडियाट्रिक हेपेटोलॉजी के साक्षात्कार हेतु अस्थाई रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई हैं। आयोग द्वारा 12 मई 2025 को आयोजित सहायक आचार्य (एंडोक्राइनोलॉजी) प्रतियोगी परीक्षा-2024 में कुल 14 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु अस्थायी रूप से सफल घोषित किया गया है। 13 मई 2025 को आयोजित की गई सहायक आचार्य (पीडियाट्रिक हेपेटोलॉजी) प्रतियोगी परीक्षा-2024 में एक अभ्यर्थी (रोल नंबर- 5561405) को साक्षात्कार के लिए अस्थायी रूप से सफल घोषित किया गया है।

साक्षात्कार के लिए अस्थायी रूप से चुने गए सभी अभ्यर्थियों को आयोग की वेबसाइट से विस्तृत आवेदन पत्र डाउनलोड करना होगा। इसे पूरी तरह से भरकर, समस्त शैक्षणिक, जाति एवं अन्य प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रतियों के साथ, परिणाम जारी होने के 15 दिनों के भीतर आयोग कार्यालय में जमा करवाना अनिवार्य है। आयोग सचिव ने बताया कि दस्तावेजों की जांच के बाद पात्र पाए गए अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। साक्षात्कार की तिथियों की सूचना अभ्यर्थियों को यथासमय दे दी जाएगी।

'ऑपरेशन क्लीन स्वीप' मेंबाड़मेर पुलिस की ऐतिहासिक कार्रवाई

एक साथ तीन मादक पदार्थ तस्करों की 2.5 करोड़ रुपए की संपत्ति फ्रीज

बढ़ता राजस्थान

जयपुर. मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अपनी लड़ाई को एक नए स्तर पर ले जाते हुए बाड़मेर पुलिस ने एक बड़ी और ऐतिहासिक कार्रवाई को अंजाम दिया है। पहली बार, पुलिस ने एक साथ तीन कुख्यात मादक पदार्थ तस्करों की अवैध रूप से अर्जित की गई 2.5 करोड़ की संपत्ति को एनडीपीएस एक्ट की धारा 68एफ (2) के तहत फ्रीज किया है। इस बड़ी कार्रवाई में तीन आलीशान आवासीय भवन, दो प्लॉट और चार लग्जरी वाहन जब्त किए गए हैं, जो अपराधियों की काली कमाई का सीधा प्रमाण हैंजिला पुलिस अधीक्षक श्री नरेन्द्रसिंह मीना के कुशल नेतृत्व में यह कार्रवाई पुलिस मुख्यालय राजस्थान और महानिरीक्षक पुलिस जोधपुर रेंज के निर्देशों के बाद शुरू की गई थी। इस अभियान का उद्देश्य लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त हार्डकोर अपराधियों की आर्थिक कमर तोड़ना है।

तीन बड़े तस्करों की अवैध कमाई पर चला बुलडोजर :

1. गोरधनराम जाटः 60 लाख की संपत्ति फ्रीज—

नागाणा पुलिस थाने का हार्डकोर अपराधी गोरधनराम पुत्र डुगराराम लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में सक्रिय था, उसकी अवैध कमाई पर पुलिस ने शिकंजा कसा है। थानाधिकारी जमील खां के नेतृत्व में टीम ने गोरधनराम की संपत्तियों का गहनता से ब्यौरा जुटाया। यह पाया गया कि उसने अपने गांव मातासर भुरटिया में एक आलीशान भवन बनाया था। सभी दस्तावेजों को सक्षम प्राधिकारी को भेजने के बाद, गोरधनराम की लगभग 60 लाख की संपत्ति को फ्रीज करने का आदेश मिला। उसके खिलाफ कुल 7 आपराधिक मामले दर्ज हैं।

2. श्याम सुंदर सांवरियाः 90 लाख की संपत्ति फ्रीज—

सेड़वा थाना क्षेत्र के सक्रिय तस्कर श्याम सुंदर सांवरिया पुत्र लाधुराम पर 13 मामले दर्ज हैं, उसकी भी करीब 90 लाख की संपत्ति जब्त की गई है। थानाधिकारी दीपसिंह की टीम ने सूचनाएं एकत्रित कर पाया कि श्याम सुंदर ने अपने गांव सोमारड़ी में एक भव्य आवासीय भवन और चार वाहन एक स्कॉर्पियो, एक टवेरा, एक ट्रैक्टर और एक बोलेरो कैंपर खरीदे थे। इन सभी संपत्तियों को फ्रीज करने के आदेश के बाद पुलिस ने कार्रवाई को अंजाम दिया।

3. जसवंत उर्फ जसराज उर्फ जसूः 1 करोड़ की संपत्ति फ्रीज—

रीको थाना के हार्डकोर अपराधी जसवंत उर्फ जसराज उर्फ जसू पुत्र रतनाराम बायतु पनजी का निवासी है और वर्तमान में बलदेव नगर में रह रहा था, उसकी 1 करोड़ की अवैध संपत्ति जब्त की गई है। थानाधिकारी मनोज सामरिया की टीम ने पाया कि जसवंत ने बाड़मेर के बलदेव नगर में अपनी पत्नी के नाम पर एक आलीशान घर और दो रिहायशी प्लॉट खरीदे थे। जसवंत पर 10 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। सक्षम प्राधिकारी से आदेश मिलने के बाद पुलिस ने उसकी सभी संपत्तियों को फ्रीज कर दिया।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस

दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही

कलर एवं ब्लैक मुद्रण | किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
- Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021

Office
- Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
- 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795

Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस, हमीदपुरा रोड, खंडवा, निवाई, टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/116 ''प्रतीक्षा'', सेक्टर-18, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक तनुजा पठान*, प्रधान संपादक राम बिलास विजयवर्गीय (मो. 9414242258, 9214048888, जयपुर; फोन 0141-2796794, 095), टोंक कार्यालयः बाईपास, निवाई, टोंक (मो. 9414823448), अलवर कार्यालयः मेहताब सिंह का नोहरा, अलवर (मो. 7733000123), कोटा कार्यालयः छावनी मेन रोड, कोटा (मो. 7023350734), ई-मेलः badhatarajasthan@yahoo.com; *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार